सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

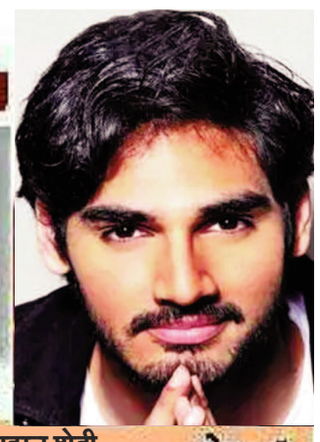

किसी तरह का दबाव महसूस नहीं कर रहा हूं: विराट कोहली -पेज: 7

बॉर्डर 2 की शूटिंग खत्म होने पर इमोशनल हुए अहान शेट्टी -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 239 | सोमवार 08 दिसंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

संसद में 'वंदे मातरम' और चुनावी सुधारों पर होगी चर्चा, जोरदार बहस के आसार

नई दिल्ली एजेंसी: इस हफ्ते संसद में सत्ताधारी बीजेपी और कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष के बीच बड़ा टकराव देखने को मिलेगा। सोमवार से, संसद में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' और चुनावी सुधारों जैसे दो महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष चर्चा होगी, जिसमें सभी पार्टियों के सांसद हिस्सा लेंगे। बहस में शामिल होंगे दिग्गज नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह बीजेपी की ओर से बहस में शामिल होंगे। वहीं, विपक्ष की ओर से नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा, अखिलेश यादव, और कनिमोझी जैसे प्रमुख नेता इन बहसों में अपनी बात रखेंगे। 'वंदे मातरम' पर चर्चा सोमवार दोपहर को यह चर्चा लोकसभा में शुरू होगी, जिसकी शुरूआत प्रधानमंत्री मोदी करेंगे। कांग्रेस की ओर से उपनेता गौरव गोगोई और वरिष्ठ सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा भी शामिल होंगी।

आग में झुलसे 25 लोगों की दर्दनाक मौत पर पीएम मोदी ने जताया शोक; मुआवजे का किया ऐलान

नई दिल्ली एजेंसी: गोवा के उत्तर जिले के अपोर्रा गांव में शनिवार देर रात (6-7 दिसंबर 2025) एक बड़ा हादसा हो गया। यहां एक मशहूर नाइटक्लब में अचानक आग भड़क उठी, जिसमें 25 लोगों की जान चली गई। यह क्लब पिछले साल शुरू हुआ था और पर्यटकों के बीच बेहद लोकप्रिय हो चुका था। पीएम मोदी ने दुख जताया, राहत राशि का किया ऐलान घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने एक्स (पहले ट्विटर) पर लिखा कि अपोर्रा में हुई दुर्घटना अत्यंत दुखद है। प्रधानमंत्री ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताई और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से

मृतकों के परिवारों को 2-2 लाख रुपये और घायलों को 50 हजार रुपये प्रदान किए जाएंगे। पीएम मोदी ने गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत से बात कर स्थिति की जानकारी भी ली है। किचन में सिलेंडर फटने से लगी आग रात करीब 12 बजे क्लब के किचन क्षेत्र में खाना तैयार किया जा रहा था। इसी दौरान गैस सिलेंडर में जोरदार धमाका हुआ और आग तेजी से पूरे परिसर में फैल गई। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि आस-पास के घरों में रहने वाले लोगों ने झटका महसूस किया। धुआं और लपटें फैलने के कारण कई लोग समय पर बाहर नहीं निकल पाए और दम घुटने या जलने से उनकी जान चली गई। दमकल और पुलिस की तुरंत कार्रवाई धमाका होते ही क्लब में अफरा-तफरी मच गई। लोग चीखते हुए बाहर निकलने की कोशिश करने लगे। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को फोन किया। गोवा पुलिस महानिदेशक आलोक कुमार के अनुसार, रात 12:04 बजे कंट्रोल रूम में घटना की सूचना मिली, जिसके बाद पुलिस, फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस कुछ ही मिनटों में मौके पर पहुंच गईं। आग को काफी मशक्कत के बाद काबू में लाया गया। मौके पर पहुंचे मुख्यमंत्री, जांच के दिए आदेश मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत भी रात में ही घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि शुरूआती जांच में नाइटक्लब द्वारा फायर सेफ्टी नियमों का पालन न करने की बात सामने आई है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि यदि सुरक्षा में लापरवाही साबित हुई, तो जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पर्यटन सीजन के बीच हुई इस घटना को राज्य सरकार बेहद गंभीरता से ले रही है।

गैस सिलेंडर फटने से भीषण आग लग.....

गोवा के अपोर्रा गांव में शनिवार रात एक लोकप्रिय नाइटक्लब में गैस सिलेंडर फटने से भीषण आग लग गई, जिसमें 25 लोगों की मौत हो गई और कई घायल हुए। धमाका किचन एरिया में हुआ और आग तेजी से पूरे क्लब में फैल गई। पुलिस और दमकल टीम तुरंत मौके पर पहुंची।...

एयरलाइन क्षेत्र में एकाधिकार बना रहने तक हवाई किराये की सीमा लागू रहनी चाहिए : चिदंबरम

नई दिल्ली एजेंसी: इंडिगो की उड़ानों में व्यवधान के मद्देनजर सरकार द्वारा हवाई किराए की सीमा तय किए जाने के बीच कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने रविवार को कहा कि नागर विमानन मंत्रालय आखिरकार जाग गया है, और उन्होंने मांग की कि एयरलाइन क्षेत्र में एकाधिकार बना रहने तक इस तरह की मूल्य नियंत्रण व्यवस्था लागू रहनी चाहिए। इंडिगो के परिचालन में व्यवधान के कारण पिछले कुछ दिनों में सैकड़ों उड़ानें रद्द और विलंबित हुईं, जिससे देश भर में हजारों यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। पूर्व वित्त मंत्री चिदंबरम ने ह्यएक्स पर एक पोस्ट में कहा, मुझे खुशी है कि नागर विमानन मंत्रालय आखिरकार जाग गया है और उसने इकोनॉमी क्लास के

किराये की सीमा तय कर दी है। उन्होंने कहा कि एयरलाइन क्षेत्र में एकाधिकार बना रहने तक, इकोनॉमी क्लास में किराया सीमा लागू रहनी चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा, कड़ी प्रतिस्पर्धा के अभाव में, जनहित की रक्षा का एकमात्र उपाय कीमतों पर नियंत्रण है। इससे पहले, उन्होंने कहा था कि इंडिगो के परिचालन में व्यवधान और देश भर के हवाई अड्डों पर अराजक माहौल इंडिगो प्रबंधन, नागर विमानन मंत्रालय, डीजीसीए और पूरी सरकार की भारी विफलता को दशार्ती है। यह उल्लेख करते हुए

यह उल्लेख करते हुए कि पायलट ड्यूटी समय से जुड़े नये नियम जनवरी 2024 में अधिसूचित किए गए थे, चिदंबरम ने कहा, फिर भी पिछले 23 महीनों में, सरकार एयरलाइन को उसके संचालन को नए नियमों के अनुरूप ढालने में विफल रही।

कि पायलट ड्यूटी समय से जुड़े नये नियम जनवरी 2024 में अधिसूचित किए गए थे, चिदंबरम ने कहा, फिर भी पिछले 23 महीनों में, सरकार एयरलाइन को उसके संचालन को नए नियमों के अनुरूप ढालने में विफल रही। नागर विमानन मंत्रालय और नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) पूरी तरह से इसके लिए जिम्मेदार हैं।

आस्था सही, पर राम पर टिप्पणी बर्दाश्त नहीं, बाबरी मस्जिद की नींव पर धीरेन्द्र शास्त्री का बयान

नई दिल्ली एजेंसी: कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में रविवार को 'सनातन संस्कृति संसद' द्वारा 'लोकखो कंठे गीता पाठ' (लाखों कंठों से गीता पाठ) का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 5 लाख से ज्यादा लोगों ने एक साथ पवित्र भगवत गीता का पाठ किया, जिससे आस्था और उत्साह का माहौल बन गया। धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा, सनातन एकता विश्व शांति का साधन इस कार्यक्रम में शामिल हुए बागेश्वर धाम सरकार आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने इस आयोजन की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, 'आज, पश्चिम बंगाल के कोलकाता की पवित्र भूमि पर 500,000 लोगों ने एक साथ गीता का पाठ किया। उत्साह और आस्था

की लहर देखकर ऐसा लगा जैसे कोलकाता में महाकुंभ मेला लगा हो।' उन्होंने आगे कहा कि सनातन धर्म की एकता ही इस देश और दुनिया के लिए विश्व शांति का सबसे बड़ा साधन है। शास्त्री ने जोर देकर कहा, 'भारत में, हम 'सनातन' चाहते हैं, 'तनातानी' नहीं। भारत में, हम 'भगवा-ए-हिंद' चाहते हैं, 'गजवा-ए-हिंद' नहीं।' बाबरी मस्जिद की नींव पर भी दी प्रतिक्रिया मुर्शिदाबाद के बेल्डंगा में निलंबित टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर द्वारा रखी गई बाबरी मस्जिद की नींव के पत्थर पर

कोलकाता में 5 लाख लोगों ने 'लोकखो कंठे गीता पाठ' किया, जिस पर धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि यह 'सनातन एकता' विश्व शांति का सबसे बड़ा साधन है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत 'सनातन' और 'भगवा-ए-हिंद' चाहता है, न कि 'तनातानी' या 'गजवा-ए-हिंद'।

भी धीरेंद्र शास्त्री ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'अगर किसी की ऐसी आस्था है, तो वह अपनी आस्था के अनुसार इसे स्वीकार कर सकता है। इसमें कोई गलती या अपराध नहीं है।' हालांकि, उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, 'लेकिन कोई भी हमारे भगवान राम पर टिप्पणी नहीं कर सकता। अगर हमारे मंदिर बनने पर कोई टिप्पणी करता है, तो उसका अहंकार सामने आ जाएगा।'

इंडिगो विवाद पर मंत्री राम मोहन नायडू ने राहुल गांधी पर पलटवार किया

नई दिल्ली एजेंसी: इंडिगो एयरलाइन में चल रही उड़ानों की गड़बड़ी को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 'मोनोपोली मॉडल' के आरोप का कड़ा जवाब दिया है। मंत्री ने कहा कि यह कोई राजनीतिक मामला नहीं है, बल्कि यह जनता से जुड़ा मुद्दा है। प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए सरकारी प्रयास मंत्री नायडू ने जोर देकर कहा कि सरकार ने हमेशा एविएशन सेक्टर में ज्यादा प्रतिस्पर्धा लाने की कोशिश की है। उन्होंने बताया, 'हमने लीजिंग कॉस्ट (किराए की लागत) कम करने के लिए कानून भी बनाए, ताकि ज्यादा विमान बेड़े में शामिल हो सकें।' उन्होंने राहुल गांधी को सलाह दी कि अगर वह 'पूरी जानकारी के साथ बात करते तो बेहतर होता।' मंत्री ने कहा कि देश में हवाई यात्रा की मांग बढ़ रही है, इसलिए यह सेक्टर में नए लोगों के आने का अच्छा मौका

है, जिसे सरकार भी बढ़ावा दे रही है। राहुल गांधी का आरोप, यह 'मोनोपोली मॉडल' का परिणाम इससे पहले, राहुल गांधी ने इंडिगो संकट के लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराया था। इंडिगो की सैकड़ों उड़ानें रद्द होने और हजारों यात्रियों के फंसने की घटना पर, लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, 'इंडिगो की गड़बड़ी इस सरकार के मोनोपोली मॉडल की कीमत है।' उन्होंने आरोप लगाया कि आम भारतीयों को देरी, कैंसिलेशन और लाचारी के रूप में इसकी कीमत चुकानी पड़ रही है। उन्होंने निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा की मांग करते हुए कहा, भारत 'मैच-फिक्सिंग मोनोपोली' का नहीं, बल्कि हर सेक्टर में निष्पक्ष कॉम्पिटिशन का हकदार है। क्रू की कमी और डीजीसीए के नए नियम इंडिगो पिछले कई दिनों से पायलटों की कमी के कारण रोजाना सैकड़ों उड़ानें रद्द कर रही है, जिससे देश भर के एयरपोर्ट पर यात्री फंसे हुए हैं।

इंडिगो संकट पर अखिलेश यादव का केंद्र सरकार पर हमला

लखनऊ एजेंसी: समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने रविवार को इंडिगो एयरलाइन में चल रहे संकट को लेकर बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की है। 'इलेक्टोरल बॉन्ड' के कारण कार्रवाई नहीं पीटीआई न्यूज एजेंसी द्वारा जारी एक वीडियो में, अखिलेश यादव ने गंभीर आरोप लगाया कि एयरलाइन पर इलेक्टोरल बॉन्ड के चंदे की वजह से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने सीधे तौर पर कहा, 'सरकार बिना किसी वजह के इंडिगो पर दबाव नहीं डाल रही है। ऐसा इसलिए है क्योंकि इंडिगो ने उन्हें इलेक्टोरल बॉन्ड दिए थे।' पूंजीपति सरकार पर हावी हो रहे हैं यादव ने आगे कहा कि इंडिगो के पास तैयारी करने के लिए काफी समय था, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। उन्होंने इस स्थिति को देश में पूंजीपतियों के सरकार पर हावी होने का उदाहरण बताया। उन्होंने जोर देकर कहा, 'यह पहला साफ उदाहरण है जो दिखाता है कि पूंजीवादी ताकतें सरकार पर हावी हो रही हैं और सरकार के पास कोई रास्ता नहीं है।'

इंडिगो की उड़ानें बाधित होने पर डीजीसीए का कड़ा रुख, अकाउंटेबल मैनेजर को कारण बताओ नोटिस

नई दिल्ली एजेंसी: नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने इंडिगो एयरलाइन के अकाउंटेबल मैनेजर को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। यह नोटिस हाल ही में इंडिगो की निर्धारित उड़ानों में हुई बड़े पैमाने पर रुकावटों और यात्रियों को हुई गंभीर असुविधा के कारण दिया गया है। नोटिस में क्या कहा गया? डीजीसीए ने अपने नोटिस में इंडिगो पर नियमों का पालन न करने और परिचालन विफलता का आरोप लगाया है। उड़ानें बाधित होने का कारण डीजीसीए ने कहा कि उड़ानों में रुकावट का मुख्य कारण यह है कि एयरलाइन ने अनुमोदित फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन योजना के सुचारू कार्यान्वयन के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं की। इतनी बड़ी संख्या में उड़ानों का रुकना यह दशार्ता है कि एयरलाइन की योजना, निगरानी और संसाधन प्रबंधन में महत्वपूर्ण कमियां हैं। डीजीसीए का मानना है कि यह विमान नियम, 1937 के नियम 42ए और फ्लाइट क्रू से संबंधित अन्य नागरिक उड्डयन

आवश्यकताओं का प्रथम दृष्टया उल्लंघन है। नोटिस में यह भी कहा गया है कि एयरलाइन यात्रियों को बोर्डिंग से इनकार, उड़ानें रद्द होने और देरी के मामले में आवश्यक जानकारी और सुविधाएं देने में विफल रही है। डीजीसीए ने अकाउंटेबल मैनेजर को याद दिलाया कि वह समग्र संचालन को स्वीकृत मैनुअल और नियमों के अनुसार सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार है। 24 घंटे में मांगा गया जवाब डीजीसीए ने अकाउंटेबल मैनेजर को नोटिस मिलने के 24 घंटे के भीतर कारण बताने का निर्देश दिया है कि इन उल्लंघनों के लिए उनके खिलाफ उचित प्रवर्तन कार्रवाई क्यों शुरू न की जाए। यदि निर्धारित समय में जवाब नहीं दिया जाता है, तो मामले का फैसला एकतरफा किया जाएगा।

राजनाथ सिंह ने लद्दाख में 5,000 करोड़ रुपये की 125 प्रमुख सीमा परियोजनाओं का किया उद्घाटन

नई दिल्ली एजेंसी: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को लद्दाख से सीमा सड़कों संगठन बीआरओ की 125 रणनीतिक परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित कीं। यह एक ही समय में उद्घाटित की गई सबसे अधिक परियोजनाएं हैं। इनमें 28 सड़कें, 93 पुल और 4 अन्य परियोजनाएं शामिल हैं, जो दो केंद्र शासित प्रदेशों-लद्दाख और जम्मू-कश्मीर और सात राज्यों अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और मिजोरम में फैली हैं। इन सभी परियोजनाओं को लगभग 5,000 करोड़ रुपये की लागत से पूरा किया गया है। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण दारबुक-श्योक-दौलत बेग ओल्डी मार्ग पर स्थित रणनीतिक श्योक सुरंग का उद्घाटन रहा। 920 मीटर लंबी यह कट-एंड-कवर सुरंग दुनिया के सबसे कठिन क्षेत्रों में बनी इंजीनियरिंग उपलब्धि मानी जा रही है। रक्षा मंत्री ने कहा कि यह सुरंग अब पूरे वर्ष, खासकर कठोर सर्दियों के दौरान, सुरक्षित और भरोसेमंद आवाजाही सुनिश्चित करेगी। इससे दूरस्थ गांवों और अग्रिम सैन्य चौकियों तक आखिरी छोर की कनेक्टिविटी मजबूत होगी और सुरक्षा व त्वरित तैनाती क्षमता में बड़ा सुधार आएगा। रक्षा मंत्री ने समारोह में गलवान युद्ध स्मारक का वर्चुअल उद्घाटन भी किया, जो गलवान घाटी में शहीद हुए सैनिकों के अप्रतिम साहस और बलिदान को समर्पित है।

उन्होंने कहा कि मजबूत सीमा इंफ्रास्ट्रक्चर न केवल सुरक्षा बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था, पर्यटन, रोजगार और आपदा प्रबंधन के लिए भी जीवनरेखा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सड़कें, सुरंगें, स्मार्ट फेंसिंग, एकीकृत कमांड केंद्र और निगरानी प्रणालियाँ देश की सुरक्षा के स्तंभ हैं। बीआरओ को तेजी और कुशलता से जटिल परियोजनाएं पूरी करने के लिए उन्होंने सराहा और कहा कि बीआरओ अब संचार और कनेक्टिविटी का पर्याय बन गया है। राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सेना द्वारा की गई इस कार्रवाई की ऐतिहासिक सफलता मजबूत कनेक्टिविटी के कारण संभव हुई। उन्होंने कहा कि सेना, नागरिक प्रशासन और सीमा क्षेत्रों के लोगों के बीच सहयोग ही भारत की असली पहचान है। उन्होंने देश की आर्थिक प्रगति का भी उल्लेख किया-जहाँ 2025-26 की दूसरी तिमाही में जीडीपी 8.2% तक पहुँच गई और कहा कि मजबूत अवसंरचना सुरक्षा के साथ-साथ आर्थिक समृद्धि की भी नींव है। रक्षा मंत्री ने बताया कि वर्ष 2024-25 में बीआरओ ने 16,690 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड व्यय किया है और 2025-26 के लिए 18,700 करोड़ रुपये का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने यह भी कहा कि रक्षा उत्पादन, जो 2014 में 46,000 करोड़ रुपये था, अब बढ़कर 1.51 लाख करोड़ रुपये हो गया है। रक्षा निर्यात भी 1,000 करोड़ रुपये से बढ़कर लगभग 24,000 करोड़ रुपये पहुँच गया है, जो आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बड़ी उपलब्धि है। कार्यक्रम में बीआरओ के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल रघु श्रीनिवासन ने अपने संबोधन में सभी कर्मियों के समर्पण और तकनीकी नवाचारों की प्रशंसा की। समारोह में कई राज्यपाल, मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री, सेना प्रमुख और वरिष्ठ सैन्य अधिकारी मौजूद रहे।

राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सेना द्वारा की गई इस कार्रवाई की ऐतिहासिक सफलता मजबूत कनेक्टिविटी के कारण संभव हुई। उन्होंने कहा कि सेना, नागरिक प्रशासन और सीमा क्षेत्रों के लोगों के बीच सहयोग ही भारत की असली पहचान है। उन्होंने देश की आर्थिक प्रगति का भी उल्लेख किया

संपादकीय

पंजाब का जल संकट

निस्संदेह, पंजाब इन दिनों दोहरे जल संकट से जूझ रहा है। एक ओर जहां अंधाधुंध भू-गर्भीय जल के दोहन से उसका जलस्तर गिर रहा है, वहीं कीटनाशकों व रासायनिक खादों के बेतहाशा इस्तेमाल से पानी जहरीला होता जा रहा है। हाल ही में केंद्रीय भूजल बोर्ड यानी सीजीडब्ल्यूबी के नवीनतम आंकड़े चिंता बढ़ाने वाले हैं। संस्था के नवीनतम निष्कर्ष बताते हैं कि पंजाब 156.36 फीसदी भूजल दोहन के साथ इसके अत्यधिक इस्तेमाल में देशभर में अग्रणी है। जो इस बात को रेखांकित करता है कि पंजाब में इसके जलस्रोतों का कितने खतरनाक ढंग से अत्यधिक दोहन किया जा चुका है। लेकिन यह संकट यही समाप्त नहीं हो जाता। इस संकट से जुड़ी त्रासदी यह भी है कि सीजीडब्ल्यूबी की नवीनतम वार्षिक भूजल गुणवत्ता रिपोर्ट-2025 बताती है कि पंजाब में परीक्षण किए गए भूजल के 62.5 फीसदी नमूनों में यूरेनियम सुरक्षित सीमा से कहीं अधिक मात्रा में पाया गया है। निश्चित रूप से भू-गर्भीय जल के अत्यधिक दोहन और पानी की गुणवत्ता में गिरावट में गहरा संबंध है। दरअसल, अत्यधिक भूजल दोहन से पानी का स्तर नीचे चला जाता है, जिसके चलते गहरे बोरवेल लगाने पड़ते हैं। जो भूगर्भीय रूप से अस्थिर, खनिज-समृद्ध परतों से पानी खींचते हैं। जो अक्सर यूरेनियम, आर्सेनिक, नाइट्रेट या लवणता से भरी होती हैं। इसके साथ ही, दशकों से चली आ रही सघन कृषि, अधिक सिंचाई वाली फसलों की पैदावार बढ़ाने के लिये भारी मात्रा में सिंचाई और रासायनिक उर्वरकों की जरूरत होती है। जिसके चलते भूजल व मिट्टी दोनों ही में प्रदूषकों का रिसाव तेज हो जाता है। इस भयावह संकट को पिछले दिनों राज्यसभा में राजनीतिक आवाज तब मिली, जब सांसद राघव चड्ढा ने पंजाब में विषाक्त जल संकट पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने चेताया था कि भारी धातुओं और रेडियोधर्मी प्रदूषकों वाला पानी आम लोगों के स्वास्थ्य पर घातक असर डाल रहा है। ऐसा करके उन्होंने देश के नीति नियंताओं को आईना दिखाने का प्रयास ही किया है। दरअसल, आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा ने राज्यसभा में इस चिंता को अभिव्यक्त करके, पर्यावरणीय आंकड़ों के जरिये लंबे समय से दिए जा रहे संकेतों को स्पष्ट रूप से उजागर ही किया है। हमें इस बात का अहसास होना चाहिए कि यह अब कोई दूरगामी पर्यावरणीय चिंता नहीं बल्कि हमारे सामने एक उभरती हुई जन-स्वास्थ्य की आपात स्थिति ही है।

चिंतन-मनन

ईश्वर का दोस्त

एक संत ने एक रात स्वप्न देखा कि उनके पास एक देवदूत आया है। देवदूत के हाथ में एक सूची थी। उसने कहा, यह उन लोगों की सूची है, जो प्रभु से प्रेम करते हैं। संत ने कहा, मैं भी प्रभु से प्रेम करता हूं। मेरा नाम तो इसमें अवश्य होगा। देवदूत बोला, नहीं, इसमें आप का नाम नहीं है। संत उदास हो गए। फिर उन्होंने पूछा, इसमें मेरा नाम क्यों नहीं है? मैं ईश्वर से ही प्रेम नहीं करता बल्कि गरीबों से भी प्रेम करता हूं। मैं अपना अधिकतर समय निर्धनों की सेवा में लगाता हूं। उसके बाद जो समय बचता है उसमें प्रभु का स्मरण करता हूं। तभी संत की आंख खुल गई। दिन में वह स्वप्न को याद कर उदास थे। एक शिष्य ने उदासी का कारण पूछा तो संत ने स्वप्न की बात बताई और कहा, लगता है सेवा करने में कहीं कोई कमी रह गई है। दूसरे दिन संत ने फिर वही स्वप्न देखा। वही देवदूत फिर उनके सामने खड़ा था। इस बार भी उसके हाथ में कागज था। संत ने बेरुखी से कहा, अब क्यों आए हो मेरे पास? मुझे प्रभु से कुछ नहीं चाहिए। देवदूत ने कहा, आपको प्रभु से कुछ नहीं चाहिए, लेकिन प्रभु का तो आप पर भरोसा है। इस बार मेरे हाथ में दूसरी सूची है। संत ने कहा, तुम उनके पास जाओ जिनके नाम इस सूची में हैं। मेरे पास क्यों आए हो? देवदूत बोला, इस सूची में आप का नाम सबसे ऊपर है। यह सुन कर संत को आश्चर्य हुआ। बोले, क्या यह भी ईश्वर से प्रेम करने वालों की सूची है। देवदूत ने कहा, नहीं, यह वह सूची है जिन्हें प्रभु प्रेम करते हैं। ईश्वर से प्रेम करने वाले तो बहुत हैं, लेकिन प्रभु उसको प्रेम करते हैं जो गरीबों से प्रेम करते हैं। प्रभु उसको प्रेम नहीं करते जो दिन रात कुछ पाने के लिए प्रभु का गुणगान करते रहते हैं।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

जीवन की छोटी-छोटी बातों में खुशी ढूंढकर खुशी का आनंद लेकर खुश रहें

किशन भावनानी

मानव जीवन रूपी गाड़ी के सुख और दुख, खुशी और गम रुपी दो ऐसे पहिए हैं जिसके बगैर जीवन रूपी गाड़ी चलना मुश्किल है, क्योंकि ऊपर वाले ने सृष्टि में मानव जीवन की रचना कर सफलताओं और सहायता के लिए ही यह दोनों पहियों को मानव जीवन में संचारित किए हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि खुशी मनीषियों के अहंकार, अहम, अभिमान से अलंकृत होने का न्योता भी साथ-साथ देती है तो गम मनीषियों को सबक, सीख, नम्रता, सद्भाव सीखने का न्योता देता है, याने जीवन के दोनों पहियों से मानव को कौशलता से सीखने की जरूरत है।जब दोनों पहियों रूपी परिस्थितियों में मानव खुशरंग जीवन जीने की कला अपनी कौशलता से सीख लेगा तो अपने जीवन की गाड़ी को सफलता से अपने ऊंचे मानवीय सकारात्मक स्तरों को छू लेगा और मनुष्य जीवन के लिए एक मिसाल कायम कर अपना, अपने कुल और राष्ट्र का नाम ऊंचा करने का सामर्थ प्राप्त करेगा क्योंकि खुशी सफलता की चाबी है।

साथियों बात अगर हम जीवन के एक पहिए खुशी की करें तो खुशियों को हम खुद अपनी कौशलता से अपने जीवन की छोटी-छोटी बातों में ढूंढ कर खुशी का आनंद ले कर खुश रह सकते हैं जो विपरीत परिस्थितियों में भी सकारात्मक पल ढूंढकर, खुशी का इजहार कर अपने कौशलता से दूसरों को प्रोत्साहित कर मानवता धर्म को अदा कर ही सकते हैं। हम अगर सृष्टि में देखें तो कैसे कांटो के बीच भी गुलाब का फूल शिद्दत से खिलता मुस्कुराता रहता है, बस !यह तो हमारे लिए बहुत बड़ी सीख की ओर इशारा है।

साथियों बात अगर हम हमारे जीवन के पलों पर जमाने छिटाकशी की करें तो हमने1974 में आई हिंदी फिल्म अमर प्रेम का गाना,, कुछ तो लोग कहेंगे, लोगों का काम है कहना, छोड़ो बेकार की बातें, सुनें होंगे इसलिए हमें चाहिए कि दूसरों की तारीफों का मोहताज नहीं बनकर अपने कार्य का स्वयं मूल्यांकन कर अच्छे कार्य पर स्वयं गर्व कर खुश रहें, और क्या विपरीत, क्या गलत हुआ उसका स्वतः संज्ञान लेकर उसमें सुधारात्मक उपाय करने पर भी खुशी का एहसास करना होगा, क्योंकि हमने अपने जीवन की कमी को ढूंढ कर उसे सुधारात्मक उपाय से सुधार कर आगे बढ़े यह भी एक खुशी की बात है !!हर कमी में सुकून, सकारात्मकता और खुशी ढूंढ लोगों के साथ खुशियों को साझा करें, दूसरों की खुशियों में भी खुश रहें, मन में सुकून ग्रहण करने की आदत अपनाएं

साथियों बात अगर हम जीवन के हमारे दुख रूपी पहिए की करें तो हम हमारे जीवन के दुख के क्षणों में हमें अपने को ऊपर कर अपनी आंखें अपने से नीचे झुकाकर देखना चाहिए कि हमारे से ज्यादा अधिक दुःखी कितने मनीषी जीव हैं और हृदय, मस्तिष्क में यह बात संचारित करें कि इनसे तो हम हमारे दुख बहुत छोटे हैं याने हम दुखों में भी अपनी खुशी ढूंढ तो बस,फिर क्या,जीवन की गाड़ी के दोनों पहियों में हमारे हृदय की सकारात्मक भावना को संचारित करें तो हम पाएंगे कि हमसे ज्यादा कोई खुश है ही नहीं।

साथियों बात अगर हम जीवन की छोटी-छोटी बातों की करें तो उसमें हमें ढेर सारी खुशियां मिल सकती है मसलन अपनी तुलना किसी से ना करें, हमेशा सकारात्मक पहलू पर ध्यान दें, लोगों के साथ खुशियों को बांटे, वह कार्य करें जिसमें खुशियां मिले, जो खुश रहते हैं ऐसे लोगों से मिलिए, आत्मविश्वास से भरपूर रहे, मनपसंद किताबें पढ़ें, समस्या है तो समाधान सोचें, कुछ स्पेशल और अच्छा सोचें, हमेशा चेहरे पर मुस्कान रखें, पुरानी अच्छी बातों को याद रखें, मन को बच्चे जैसा साफ रखें, अपने परिवार व बच्चों के साथ समय बिताएं, प्यार पाने को प्यार करना सीखे, छोटी-छोटी सफलताओं पर खुशियां मनाएं, 6 से 8 घंटे नींद पूरी लें इत्यादि अनेक बातों पर ध्यान देने और अपनाने की कोशिश करें तो खुशियों का एहसास आपको जरूर नजर आएगा।

साथियों बात अगर हम स्वयं को खुश रखने की करें तो, आप स्वयं ही अपने आपको प्रसन्न कर सकते हैं। प्रसन्नता कोई अपने आप आने वाली चीज नहीं है। इसके लिए आपको लगातार कोशिश करनी होगी। जब आपको दूसरों की खुशी में ही खुशी मिलने लगेगी तो आप खुशी के भीतर छिपा राज जान लेंगे। याद रखें कि खुशी हमेशा किसी वस्तु की इच्छा, प्रशंसा या कुछ करने में नहीं होती। जीवन की छोटी-छोटी बातों में खुशियां तलाशें और मानकर चलें कि आप प्रसन्न हैं। कोई भी अपना मनपसंद काम करके खुशी पा सकता है। यदि आप मनचाहा काम करने जा रहे हों तो आपको सच्ची प्रसन्नता मिलती है। कुछ रचनात्मक कार्य करें, बेकार व्यक्ति कभी भी खुशी नहीं पा सकता। अपनी इच्छाएं सीमित करके अपने साधनों से संतुष्ट रहने में ही सच्ची खुशी छिपी है। जो लोग कुछ नहीं कर सकते उनके पास काम ही नहीं होता।

बदलती दुनिया में भारतझरूस की अटल साझेदारी

योगेश कुमार गोयल

विश्व राजनीति की जटिलताओं और शक्ति-संतुलन के नए उभार के बीच कुछ संबंध ऐसे होते हैं, जो समय के साथ अपनी प्रासंगिकता को विस्तार देते हुए नई दिशाएं निर्धारित करते हैं। भारत और रूस का रिश्ता ऐसे ही संबंध का उदाहरण है, जो युद्धों, तकनीकी क्रांतियों, आर्थिक परिवर्तन और वैश्विक संरेखणों के अनेक चक्रों से गुजरते हुए भी ध्रुव तारे की तरह स्थिर बना रहा है। यह स्थिरता वैश्विक परिदृश्य में भारत की रणनीतिक स्वायत्तता, रूसी विश्वास और दोनों देशों के साझा हितों का परिणाम है। नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में 5 दिसंबर को आयोजित 23वें वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन ने इस ऐतिहासिक स्थिरता को पुनर्पुष्ट करते हुए भविष्य की दिशा स्पष्ट कर दी। यह रिश्ता अब अतीत का बोझ नहीं, भविष्य की वैश्विक व्यवस्था के निर्माण में एक सक्रिय और आवश्यक घटक है। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत-रूस संबंधों को 'ध्रुव तारे की तरह स्थिर' कहा तो वह केवल एक कूटनीतिक प्रशंसा वाक्य नहीं था। ध्रुव तारा दिशा दिखाने वाला स्थायी प्रकाश-स्रोत है और भारत-रूस संबंध भी आज वैश्विक दक्षिण की आकांक्षाओं, ऊर्जा-भू-राजनीति, उभरती तकनीकों, व्यापारिक विविधीकरण और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की दिशा तय करते प्रतीत होते हैं।

इस शिखर वार्ता ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत और रूस के बीच संबंध राष्ट्रीय हित, परस्पर सम्मान और साझा दृष्टिकोण की दृढ़ बुनियाद पर टिके हैं। ऐसे समय में, जब वैश्विक राजनीति अमेरिका-चीन प्रतिद्वंद्विता, यूरोपीय सुरक्षा संकट, पश्चिमी प्रतिबंधों, नाटो विस्तार और यूक्रेन युद्ध के दबावों से आकंठ भरी हुई है, भारत और रूस का संबंध संतुलन, स्वायत्तता और दीर्घकालिक नीति-दृष्टि का मॉडल बनकर उभर रहा है। दोनों देशों ने 'भारत-रूस आर्थिक सहयोग कार्यक्रम 2030' नामक नए रोडमैप को मूर्त रूप दिया, जो व्यापार, ऊर्जा, उर्वरक, तकनीकी नवाचार, समुद्री अवसंरचना, श्रम गतिशीलता और रणनीतिक उद्योगों में साझेदारी को एक व्यापक और भविष्यनिष्ठ आधार प्रदान करता है। यह समझौता दो देशों के व्यापारिक हितों का विस्तार नहीं बल्कि मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में डॉलर वर्चस्व को चुनौती देने वाली और बहुध्रुवीय आर्थिक संरचना को स्थापित करने वाली एक साहसिक पहल भी है।

भारत और रूस के बीच व्यापारिक संबंधों की प्रकृति अब मूल्य, तकनीक और रणनीतिक नियंत्रण पर आधारित होती जा रही है। 2024 में दोनों देशों का व्यापार 64 अरब डॉलर तक पहुंच चुका था और अब 2030 तक इसे 100 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। यह लक्ष्य उस नई आर्थिक संरचना की घोषणा है, जिसके तहत दोनों देशों के बीच 96 प्रतिशत भुगतान रुपये और रूबल में होने लगा है। इस तथ्य का अर्थ वैश्विक आर्थिक विमर्श में अत्यधिक दूरगामी है, जो न केवल डॉलर की निर्भरता को चुनौती देता है बल्कि वैश्विक व्यापार को एक ऐसी राह पर ले जाता है, जहां मुद्रा-स्वायत्तता, आर्थिक आत्मनिर्भरता और बहु-मुद्रा व्यापार व्यवस्था भविष्य का आधार बन सकती है। शिखर सम्मेलन में कृषि-उद्योग क्षेत्र में उर्वरक उत्पादन पर सहमति आने से भारत की खाद्य और कृषि सुरक्षा रणनीति को ऐतिहासिक मजबूती मिली है। आज जहां दुनिया संसाधन-संकट, कृषि लागत, उत्पादन सीमाएं और उर्वरक आपूर्ति से संबंधित अनिश्चितताओं का सामना कर रही है, वहीं भारत और रूस का संयुक्त यूरिया उत्पादन कार्यक्रम भारत को केवल खरीदार देश नहीं, वैश्विक कृषि-आपूर्ति श्रृंखला में सक्रिय उत्पादक राष्ट्र के रूप में स्थापित करेगा। यह भारत की आत्मनिर्भर कृषि नीति, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा के दीर्घकालिक ढ़ांचे को सुदृढ़ करेगा।

फार्मास्यूटिकल क्षेत्र में रूस में भारतीय तकनीक से फार्मा फैक्टरी की स्थापना स्वास्थ्य-क्षेत्र में भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का संकेत है। भारत आज दुनिया के लिए 'फार्मेसी ऑफ द ग्लोब' बन चुका है। कोविड काल में दुनिया ने यह देखा कि दवा निर्माण केवल उद्योग नहीं बल्कि सामरिक शक्ति भी है। रूस में दवा निर्माण भारत को न केवल बाजार देगा बल्कि ऐसे समय में तकनीकी और कच्चे माल की आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा बनाएगा, जब पश्चिमी दवाईयों की आपूर्ति-राजनीति वैश्विक स्वास्थ्य प्रणाली पर नियंत्रण का उपकरण बन चुकी है। भारत-रूस संबंधों का सबसे ठोस और दीर्घकालिक आयाम ऊर्जा क्षेत्र है। रूस भारत का सबसे बड़ा ऊर्जा-आपूर्तिकर्ता बन चुका है और उसने विश्व के ऊर्जा-संकट के मध्य भारत को अबाध आपूर्ति देकर यह साबित किया कि यह संबंध परिस्थितियों से संचालित नहीं बल्कि विश्वास पर आधारित है।

सम्मेलन में परमाणु ऊर्जा पर हुई चर्चा और कुडनकुलम प्लांट के विस्तार की पुनर्पुष्टि भारत की स्वच्छ और विश्वसनीय ऊर्जा रणनीति को एक नई दिशा देती है। रूस द्वारा छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर उपलब्ध कराने का प्रस्ताव उस परिवर्तन की पूर्वपीठिका है, जहां भारत विकेन्द्रीकृत ऊर्जा प्रणालियों के माध्यम से हर क्षेत्र को स्वच्छ ऊर्जा से जोड़ सकेगा। यह भारत के नेट-जीरो संकल्प की व्यवहारिक यात्रा का महत्वपूर्ण चरण है। क्रिटिकल मिनरल्स का मुद्दा आने वाली औद्योगिक क्रांति की रीढ़ है। एआई, इलैक्ट्रिक वाहन, एयरोस्पेस, बैटरी निर्माण और रोबोटिक्स, इन सभी उद्योगों का अस्तित्व लिथियम, निकेल, कोबाल्ट और रेयर-अर्थ मेटल्स पर निर्भर है। पश्चिमी देशों ने इन खनिजों पर एकाधिकारवादी नियंत्रण बनाने का प्रयास किया है जबकि भारत-रूस इस समीकरण को बदल रहे हैं। रूस के पास विशाल खनिज संसाधन हैं और भारत के पास विकासशील तकनीक, अनुसंधान क्षमता और उत्पादन की औद्योगिक शक्ति। दोनों का मिलन वैश्विक तकनीकी प्रतिस्पर्धा को नया आयाम प्रदान करेगा।

भारत द्वारा रूसी नागरिकों के लिए 30 दिन तक मुफ्त ई-टूरिस्ट वीजा की घोषणा कूटनीति को लोगों की चेतना में स्थापित करती है। यह सांस्कृतिक जुड़ाव की पुनर्पुष्टि है, जिसमें बौद्ध परंपरा, योग, भारत-रूस सांस्कृतिक आकर्षण और ऐतिहासिक धारा की निरंतरता उपस्थित है। यह पहल वैश्विक सूचना-राजनीति के युग में 'नैरेटिव स्वायत्तता' के निर्माण की ओर भी संकेत करती है, जिसे रूस के 'आरटी इंडिया' ब्यूरो की स्थापना आगे बढ़ाएगी। इस शिखर वार्ता में यूक्रेन संकट पर भारत की स्थिति ने अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में भारत की नई भूमिका को स्पष्ट किया। भारत न तो किसी ध्रुव में समाहित है, न ही किसी वैश्विक सुरक्षा-प्रतिस्पर्धा का हिस्सा बल्कि वह शांतिवादी और वैचारिक नेतृत्व के नए मॉडल के रूप में उभरा है। ब्रिक्स, जी-20 और शंघाई सहयोग संगठन जैसे मंचों पर भारत और रूस का समन्वय बहुध्रुवीय व्यवस्था के निर्माण में निर्णायक भूमिका निभा रहा है। यह संबंध केवल सुरक्षा और सामरिक हितों से परे है, यह एक सभ्यतामूलक विमर्श है, जहां भारत और रूस अमेरिकी-यूरोपीय प्रभाव-क्षेत्र की एकध्रुवीयता को चुनौती देते हुए वैश्विक संतुलन स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं।

क्यों हो रहा है भारतीय रुपए का अवमूल्यन

मह जनवरी 2025 में भारतीय रुपए का अंतरराष्ट्रीय बाजार में मूल्य 85.79 रुपया प्रति अमेरिकी डॉलर था। 3 दिसम्बर 2025 को रुपए का बाजार मूल्य लगभग 5 प्रतिशत घटकर 90.19 रुपया प्रति डॉलर हो गया। पिछले कुछ समय से अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपए का बाजार मूल्य लगातार गिर रहा है और हाल ही के समय में रुपए के बाजार मूल्य में सबसे बड़ी गिरावट दर्ज हुई है। जबकि, वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही में भारत की आर्थिक विकास दर पिछली 8 तिमाहियों में सबसे अधिक रिकार्ड 8.2 प्रतिशत की दर से आगे बढ़ी है तथा खुदरा मुद्रा स्फीति की दर 0.25 प्रतिशत के निचले स्तर पर आ गई है। भारत में वृहद अर्थव्यवस्था के विभिन्न मानदंडो के मजबूत बने रहने के बावजूद एशियाई देशों के बीच भारतीय रुपए की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में सबसे तेज गति से गिरी है।

दरअसल, अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए की कीमत में गिरावट के मुख्य कारण वैश्विक स्तर पर आर्थिक जगत में घट रही कुछ घटनाओं में छुपे हुए हैं, अन्यथा भारतीय अर्थव्यवस्था तो मजबूत स्थिति में बनी हुई है। ट्रम्प प्रशासन द्वारा विभिन्न देशों से अमेरिका में विभिन्न उत्पादों के होने वाले आयात पर टैरिफ की दरों में वृद्धि किए जाने से वैश्विक स्तर पर विदेश व्यापार में लगातार दबाव बना हुआ है। भारत से अमेरिका को होने वाले उत्पादों के निर्यात पर तो 50 प्रतिशत का टैरिफ लगा दिया गया है, जिसके चलते भारत से कुछ उत्पादों यथा, रेडीमेड गारमेंट्स, कृषि उत्पाद, लेदर उत्पाद, समुद्री जीवों का उत्पाद, जेम्स एवं ज्वेलरी आदि के अमेरिका को होने वाले निर्यात विपरीत रूप से प्रभावित हो रहे हैं एवं इससे भारत को अमेरिकी डॉलर का अंतरप्रवाह कम हो रहा है और व्यापार घाटे में वृद्धि दर्ज हो रही है। पिछली तिमाही के दौरान भारत के कुल आयात 18,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रहे हैं जबकि निर्यात केवल 10,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रहे। इस प्रकार, 8,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का व्यापार घाटा दर्ज हुआ है। अक्टोबर 2025 माह में भी भारत का विदेशी व्यापार घाटा 4,100 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रिकार्ड स्तर के ऊपर रहा है। यह, भारत के लिए अच्छी खबर नहीं कही जा सकती है। इससे, भारत में चूंकि अमेरिकी डॉलर की मांग बढ़ रही है अतः भारतीय रुपए के मूल्य पर दबाव बढ़ रहा है।

दूसरे, विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय शेयर बाजार में पूर्व में किए गए अपने निवेश पर लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से एवं अपने निवेश को तेजी से उभर रहे अन्य देशों के शेयर बाजार में अपने निवेश को बढ़ाने के उद्देश्य से, पिछले कुछ समय से, भारतीय पूंजी बाजार से लगातार अपने निवेश को निकाल रहे हैं। वर्ष 2025 में अभी तक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से 1.48 लाख करोड़ रुपए (1,640 करोड़ अमेरिकी डॉलर) मूल्य की निकासी की है। विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा भारतीय शेयर बाजार से की जा रही निवेश की निकासे के चलते भी भारतीय रुपए पर दबाव पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है, क्योंकि वे भारत में अमेरिकी डॉलर में किए गए अपने निवेश को अमेरिकी डॉलर में ही निकाल रहे हैं और इससे अमेरिकी डॉलर की कीमत (मांग) बढ़ रही है तथा रुपए की कीमत गिर रही है। वैसे तो सामान्यतः अंतरराष्ट्रीय बाजार में किसी भी देश द्वारा अपनी मुद्रा के मजबूत बने रहने की कामना की जाती है क्योंकि इससे मुद्रा बाजार में स्थिरता बनी रहती है एवं विदेशी निवेशक अमेरिकी डॉलर में अपना निवेश बढ़ाने पर विचार पक्का करते हैं। परंतु, इसके विपरीत, अंतरराष्ट्रीय बाजार में यदि किसी देश की मुद्रा का अवमूल्यन होने लगता है तो उस देश में आयात होने वाले उत्पादों की कीमत महंगी हो जाती है। परंतु, इससे देश के निर्यातकों को जरूर लाभ होता है क्योंकि अमेरिकी डॉलर के एवज में उन्हें अधिक स्थानीय मुद्रा की प्राप्ति होती है। इस सिद्धांत के अनुसार ही, अंतरराष्ट्रीय बाजार में रूपए की कीमत के गिरने से भारत द्वारा अन्य देशों से किए जाने वाले विभिन्न उत्पादों के आयातित उत्पाद भारतीय बाजारों में भी महंगे हो सकते हैं इस प्रकार अन्य देशों से मुद्रा स्फीति का आयात भारत में होने लग सकता है। उदाहरण के लिए भारत द्वारा कच्चे तेल के आयात की कीमत, भारतीय रुपए के अवमूल्यन के चलते, यदि बढ़ जाती है तो इससे भारत में मुद्रा स्फीति की दर भी बढ़ जाएगी क्योंकि भारत में अब कच्चे तेल का आयात उंची दरों पर हो रहा होगा। इसके ठीक विपरीत, भारत के निर्यातकों को अपने विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर अमेरिकी डॉलर के एवज में अधिक रुपए की प्राप्ति होने लगेगी, इससे उन्हें अधिक लाभ होने की सम्भावना बढ़ जाएगा। इन परिस्थितियों के बीच, सामान्यतः भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा भारतीय रुपए के मूल्य में तेज गति से हो रहे अवमूल्यन को रोकने की दृष्टि से अमेरिकी डॉलर की बाजार में उपलब्धता बढ़ाते हुए मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप किया जाता है। मध्य सितम्बर 2025 की अवधि तक भारतीय रिजर्व बैंक ने 2,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर बाजार में उपलब्ध कराए थे। परंतु, हाल ही के समय में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा इस संबंध में किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप नहीं किया जा रहा है। दरअसल, वैश्विक स्तर पर विदेशी व्यापार में निर्मित हुई अस्थिरता की स्थिति से भारतीय निर्यातकों को बचाने की दृष्टि से भी भारतीय रुपए का अवमूल्यन होने दिया जा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए के हो रहे अवमूल्यन के भारतीय अर्थव्यवस्था पर होने वाले विपरीत प्रभाव से भारतीय अर्थव्यवस्था को बचाने के उद्देश्य से भारत के पास 68,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर का मजबूत विदेश मुद्रा भंडार उपलब्ध है। भारतीय रिजर्व बैंक जब भी चाहे इस विदेशी मुद्रा भंडार का उपयोग करते हुए भारतीय बाजार में अमेरिकी डॉलर की उपलब्धता को बढ़ा सकता है। परंतु, यदि लम्बी अवधि की दृष्टि से देखा जाय तो भारत को विभिन्न उत्पादों के आयात घटाकर, विभिन्न उत्पादों के निर्यात में वृद्धि करते हुए अपने विदेशी व्यापार घाटे पर नियंत्रण स्थापित करना होगा। भारत में मुख्य रूप से कच्चा तेल एवं स्वर्ण का सबसे अधिक आयात किया जाता है। कच्चे तेल के आयात को कम करने हेतु एवं अपनी ऊर्जा की लगातार बढ़ती जरूरतों को पूरा करने हेतु भारत को नवीकरणीय ऊर्जा (ग्रीन ऊर्जा) के उत्पादन को बढ़ाना ही होगा। केंद्र सरकार इस संदर्भ में बहुत प्रयास कर रही है एवं अपनी ऊर्जा की जरूरतों को, विंड पावर एवं सौर ऊर्जा के उत्पादन में वृद्धि करते हुए, पूरा करने के प्रयास कर रही है। इसमें बहुत अच्छी सफलता भी मिलती हुई दिखाई दे रही है। इसी प्रकार, स्वर्ण के उत्पादन को भारत में ही बढ़ाकर इसके आयात को किस प्रकार कम किया जा सकता है, इस विषय पर भी गम्भीरता से विचार किए जाने की आवश्यकता है। साथ ही, भारत विभिन्न उत्पादों की लागत को कम कर देश में निर्मित उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धी बना सकता है। इसके लिए, भारत में ही कच्चे माल के उत्पादन को बढ़ाना आवश्यक होगा, ताकि कच्चे माल के आयात को कम किया जा सके। ब्याज दरों को कम करते हुए पूंजी की लागत को कम करना होगा। भारतीय रिजर्व बैंक ने दिनांक 5 दिसम्बर 2025 को घोषित अपनी मुद्रा नीति (मोनेटरी पॉलिसी) में रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की कमी करते हुए इसे 5.50 प्रतिशत से घटाकर 5.25 प्रतिशत कर दिया है। साथ ही, दिनांक 21 नवम्बर 2025 से भारत में चार श्रम संहिताओं (वेतन संहिता 2019, औद्योगिक सम्बंध संहिता 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 एवं व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य शर्त संहिता, 2020) को लागू कर दिया गया है। इन चार श्रम संहिताओं के माध्यम से भारत में पूर्व में लागू 29 श्रम कानूनों को आसान और कारगर बनाए जाने का प्रशंसनीय प्रयास केंद्र सरकार द्वारा किया गया है। उक्त चार श्रम संहिताओं का लागू किया जाना भारत के श्रमबल के लिए उचित वेतन, श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा, उनकी रक्षा एवं उनके बेहतर कल्याण के क्षेत्र में एक बड़े बदलाव की शुरूआत भी माना जा रहा है। इससे भारत में मजबूत उद्योग की नींव रखी जाकर रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित किए जा सकेंगे। इन चार श्रम संहिताओं के माध्यम से भारत के श्रमिकों को वैश्विक मानकों के अनुरूप ढालने का प्रयास भी किया जाएगा एवं उनके लिए सामाजिक न्याय सुनिश्चित किया जा सकेगा जो अंततः भारत को प्रत्येक क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में सहायक होगा। चार श्रम संहिताओं को लागू करने के बाद भारतीय श्रमिकों की उत्पादकता में वृद्धि दर्ज होगी जिससे भारत में विभिन्न उत्पादों की उत्पादन लागत कम होकर इनके वैश्विक स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी बनने की सम्भावना प्रबल होगी।

भारत के विदेशी मुद्रा भुगतान संतुलन को उचित स्तर पर बनाए रखने के लिए देश में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा भी दिया जाना चाहिए। जिससे, विदेशी पर्यटक भारत में धार्मिक पर्यटन के लिए आकर्षित हों एवं भारत को विदेशी मुद्रा की उपलब्धता बढ़े। केंद्र सरकार देश में विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के उद्देश्य से विभिन्न मंदिरों के आसपास मूलभूत/आधारभूत सुविधाओं को उपलब्ध कराने की ओर विशेष ध्यान दे रही है। अयोध्या में प्रभु श्रीराम मंदिर का निर्माण कर पूरे अयोध्या नगर में आधारभूत सुविधाओं की दृष्टि से आमूलचूल परिवर्तन किए गए हैं। इसी प्रकार, वाराणसी, माता वैष्णोदेवी मंदिर, उज्जैन, प्रयागराज, गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ एवं बद्रीनाथ आदि नगरों में आधुनिक सुख सुविधाओं से युक्त मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। जिससे इन नगरों में श्रद्धालुओं (विदेशी पर्यटकों सहित) की संख्या में अपार वृद्धि दृष्टिगोचर है।

कुल मिलाकर कभी कभी वैश्विक परिस्थितियों बीच कई देश अपनी मुद्रा का अवमूल्यन होने देते हैं और यह कदम अंततः लम्बी अवधि में देश हित में ही माना जाता है।

14 दिसंबर को सुभासपा की महारैली में उमड़ेगा जनसैलाब

अमरोहा (सब का सपना):- सुभासपा की 14 दिसंबर को कैलसा क्षेत्र के गांव तेलीपुरा में स्तिथ मोती स्मृति कॉलेज में प्रस्तावित महारैली को लेकर पार्टी संगठन पूरी ताकत झोंक रहा है। इसी कड़ी में जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर व प्रदेश उपाध्यक्ष कन्हैया राम प्रजापति ने क्षेत्र के गाँव कैलसा,हादीपुर,पछदिया समेत दर्जनों गाँव में डोर-टू-डोर जनसम्पर्क कर अधिक से अधिक संख्या में रैली में शामिल होने की अपील की। जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने कहा कि सुहेलदेव महाराज की गौरव गाथा को घर-घर पहुंचाने और हमारे समाज के अधिकारों को सुनिश्चित कराने के लिए यह रैली ऐतिहासिक बनेगी। जनता अब बदलाव चाहती है और 14 दिसंबर को अमरोहा की धरती से एक नई शुरूआत होगी। प्रदेश उपाध्यक्ष कन्हैया राम प्रजापति ने कहा कि हमारी रैली किसी दल के खिलाफ नहीं बल्कि समाज के सम्मान, अधिकार और उत्थान के लिए है। समाज जाग चुका है और यह जागरण अब एक बड़े आंदोलन में बदलेगा। अमरोहा की जनता हमारी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि यह रैली सरकार को समाज की मजबूती और आवाज का एहसास कराएगी। गांव हादीपुर में विनीत चौहान को धनौरा विधानसभा अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई जहां ग्रामीणों ने फूलमालाओं से स्वागत कर पार्टी नेतृत्व को समर्थन का विश्वास दिलाया। इस दौरान आदेश अमरोही, जिला कोषाध्यक्ष सुमित चौधरी, जिला महासचिव डॉ. जगत सिंह गुर्जर व सुरेंद्र सिंह प्रधान, जिला उपाध्यक्ष, समरपाल सिंह सैनी, विधानसभा अध्यक्ष नौगांवा, प्रीत चौधरी, ब्लॉक अध्यक्ष जोया सुहेलदेव सेना डॉ. विजय सिंह चौहान, ओमपाल सिंह चौहान, सुभाष चंद्र, दयाराम सिंह, राजवीर सिंह, हरकेश सिंह, चमन सिंह, महेंद्र सैनी, मनवीर सिंह, कुशल सिंह, कल्याण, महेश कुमार, शीशपाल सिंह, राजपाल सिंह, विजेंद्र सिंह, विनोद कुमार, सेठी चौहान के साथ बड़ी संख्या में महिलाएं ,रिहाना, शहनाज, भावना, गीता, पिंकी रानी, तरन्नुम, शांति, मोमिना, निशा, अनीता वर्मा, ममता, संतोष, सूरजमुखी, बबली, पुष्पा देवी, बबिता, सोनम, नीतू और शारदा आदि मौजूद रहे।

इनर व्हील क्लब ऑफ अमरोहा द्वारा घरेलू हिंसा के खिलाफ जागरूकता कार्यक्रम

अमरोहा (सब का सपना):- इनर व्हील क्लब ऑफ अमरोहा ने घरेलू हिंसा के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाते हुए डब्ल्यूटीएम आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज में 150 छात्राओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण दिलाया। कार्यक्रम का शुभारंभ क्लब अध्यक्ष शर्मिला गुप्ता व सचिव सीमा अग्रवाल ने दीप प्रज्वलन से किया।एसआई महोदय ने छात्राओं को जूडो-कराटे, प्रेशर पॉइंट व आत्मरक्षा की बारीक तकनीकें सिखाईं। साथ ही घरेलू हिंसा निवारण अधिनियम, शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया तथा महिलाओं के लिए टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबरों की विस्तृत जानकारी दी। वर्तमान में इंटरनेट व सोशल मीडिया से बढ़ते साइबर क्राइम व महिलाओं के खिलाफ ऑनलाइन अपराधों से बचाव के टिप्स भी साझा किए गए।छात्राओं रोजिना व रूबीना ने घरेलू हिंसा पर प्रभावी विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के अंत में क्लब सदस्यों व सभी छात्राओं ने घरेलू हिंसा मुक्त समाज के नारे लगाते हुए रैली निकाली और आमजन को जागरूक किया। मेरी किताब प्रोजेक्ट के तहत सभी छात्राओं को किताबें व पेन वितरित किए गए। क्लब अध्यक्ष शर्मिला गुप्ता ने कहा कि महिलाओं का आत्मरक्षा प्रशिक्षण आज की सबसे बड़ी जरूरत है। इस अवसर पर डॉ. हर्षिता, इंदू अग्रवाल, अंजुला अग्रवाल, सुप्रिया खुराना, राखी देवल, अंजू अग्रवाल, मंजू गोयल आदि उपस्थित रहीं। अंत में सभी के लिए सूक्ष्म जलपान की व्यवस्था की गई।

जनपद की तहसील नौगांवा सादात में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद की उपस्थिति में तहसील नौगांवा सादात में सम्पूर्ण समाधान दिवस का सफल आयोजन किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी ने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि शासन की मंशा के अनुरूप निर्धारित समय-सीमा में शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि केवल निस्तारण ही काफी नहीं, लाभार्थी को पूर्ण संतुष्टि भी मिलनी चाहिए। आमजन की समस्याओं का समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।समाधान दिवस में कुल 16 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें राजस्व विभाग की 3, विद्युत विभाग की 1, नगर पंचायत की 3, पुलिस विभाग की 2, चकबंदी की 6 तथा विकास विभाग की 1 शिकायत शामिल थीं। इनमें से 2 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष 14 शिकायतों को संबंधित विभागों को हस्तांतरित करते हुए डीएम ने अधिकारियों को स्थलीय सत्यापन कर निर्धारित समय में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से उन गांवों में स्वयं जाकर जांच करने को कहा, जहां शिकायतों की संख्या अधिक है या बार-बार शिकायतें आ रही हैं।जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को जनता दर्शन, सीएम हेल्पलाइन, आईजीआरएस पोर्टल, तहसील दिवस आदि में प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के साथ त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने भी पुलिस अधिकारियों को जनता की पुलिस संबंधी शिकायतों का शीघ्र एवं उचित निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा।इस अवसर पर उपजिलाधिकारी सुनीता सिंह, तहसीलदार लकी सिंह सहित समस्त जिला एवं तहसील स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

पशुपालन विभाग के डॉक्टर ने नदी पार कर पहुंचाया इलाज, 131 पशुओं को मिली चिकित्सा सुविधा

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में पशुपालन विभाग के अधिकारी दूर-दराज के गांवों में बसे पशु पालकों तक चिकित्सा सुविधा पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। इसी कड़ी में पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. भागेश सिंह ने मिसाल कायम कर दी। ग्राम दारानगर जो नदी से घिरा हुआ अत्यंत दुर्गम क्षेत्र है, वहां बहुउद्देशीय पशु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। डॉ. भागेश सिंह अपनी पूरी टीम के साथ नदी पार करके गांव पहुंचे। चिकित्सा उपकरणों से लदे राजकीय वाहन को भी नाव की मदद से नदी पार कराया गया। इस कार्य में गांव के समाजसेवी मंगतराम ने अहम भूमिका निभाई और पूरी टीम को सुरक्षित नदी पार कराई। शिविर में 131 पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, मुफ्त उपचार उपलब्ध कराया गया तथा कीटनाशक दवाएं, कृमिनाशक औषधियां एवं खनिज मिश्रण आदि निःशुल्क वितरित किए गए। इससे पहले भी डॉ. भावेश सिंह की टीम जब दूरस्थ गांवों में रक्त नमूने लेने जाती है, तब रास्ते में 17 फीट लंबे विशाल अजगर से सामना हो चुका है, फिर भी उन्होंने हार नहीं मानी। ये घटनाएं पशुपालन विभाग के अधिकारियों के जज्बे और समर्पण की अनुपम मिसाल हैं। विभाग का संकल्प है कि चाहे कितनी भी कठिनाइयां आएं, अंतिम छोर के पशुपालक तक पशु चिकित्सा सुविधा अवश्य पहुंचाई जाएगी।

कम्युनिटी सेंटर कलैक्ट्रेट कॉलोनी में स्वास्थ्य परीक्षण कैंप का किया गया आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में रविवार को कम्युनिटी सेंटर कलैक्ट्रेट कॉलोनी मे स्वास्थ्य परीक्षण कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में डॉ0 प्रांजल मिश्रा, डॉ0 अंकिता पाण्डेय, डॉ माही चहल डॉ0 सुजाता सिंह, डॉ0 झलक, मंजू जी इ0सी0, एल0टी0 जुनैद अंसारी और एल0टी0 ललित ने कलेक्ट्रेट स्टाफ एवं उनके परिजनों की स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न जांचे की। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर ब्रजपाल सिंह, शैलेन्द्र शर्मा, उपेन्द्र नाथ त्रिवेदी, रविराज सिंह, धर्मेंद्र सिंह, राजेंद्र सैनी, मदन मोहन सैनी आदि ने अपने-अपने परिवार के साथ इस कैंप मे प्रतिभाग किया और स्वास्थ्य संबंधी जांच कराई।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत परिणय सूत्र में बंधे 564 जोड़े

अमरोहा (सब का सपना):- मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत महाराजा अग्रसेन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग ग्राम बागड़पुर माफी में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में सांसद अमरोहा कंवर सिंह तंवर , विधायक धनौरा राजीव तरारा , विधायक हसनपुर महेंद्र सिंह खड़गवंशी , जिलाध्यक्ष भाजपा उदयगिरी गोस्वामी , जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स, पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद, ब्लॉक प्रमुख, पार्टी पदाधिकारी, प्रशासनिक व जिलास्तरीय अधिकारियों द्वारा नव दंपतियों को पुष्पवर्षा करते हुए आशीर्वाद प्रदान कर उनके सुखमय वैवाहिक जीवन की कामना की। सांसद कंवर सिंह तंवर ने कहा कि इस समारोह में जिनकी बेटियों की शादी हो रही है उनके लिए यह बड़ा भावुक पल है। बेटियां दो कुलों का गौरव होती है। उन्होंने एक अभिभावक की तरह सभी बेटियों से आव्हन करते हुए कहा कि आज से आप अपने गृहस्थ जीवन में प्रवेश कर रही हो, दोनों परिवारों की जिम्मेदारी आप पर है। उन्होंने सभी वर पक्ष से आग्रह किया कि आप बहू को अपने परिवार में बेटी के रूप में स्वीकार और अंगीकार करें। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत भव्य एवं सफल कार्यक्रम आयोजन के जिला प्रशासन एवं पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम सामाजिक बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विधायक धनौरा राजीव तरारा ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक आयोजन स्थल पर हमारे समाज की समरसता और समभाव का उदाहरण देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा एक ही स्थान पर विभिन्न रीति रिवाज के अनुसार बंधन में जोड़े बंध रहे हैं। सामूहिक विवाह योजना के तहत हर तबके, जाति वर्ग एवं धर्म की पुत्रियों को बिना भेदभाव के लाभन्वित किया जा रहा है। विधायक हसनपुर महेंद्र सिंह खड़गवंशी ने मुख्यमंत्री का आभार प्रकट करते हुए कहा कि आज सामूहिक विवाह समारोह के रूप में भव्य आयोजन कर एक ही पंडाल के नीचे विभिन्न रीत रिवाज से विवाह सम्पन्न हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में केंद्र व प्रदेश सरकार की लाभार्थीपरक एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ बिना किसी बिचौलिए के पूर्ण पारदर्शिता से पात्र व जरूरतमंदों को मिल रहा है। जिलाध्यक्ष भाजपा उदयगिरी गोस्वामी ने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में बालिकाओं एवं महिलाओं की सुरक्षा, स्वाबलम्बन और सम्मान के लिए योजनाएं संचालित करने के साथ ही उन्हें धरातल पर मूर्त रूप दिया जा रहा है। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों का आभार प्रकट करते हुए बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत सरकार द्वारा 01 लाख रुपए का वहन किया जाता है जिसमें से 60 हजार रुपए कन्या बैंक खाते में, 25 हजार रुपए की उपहार सामग्री और 15 हजार रुपए वैवाहिक व खान-पान व्यवस्था पर खर्च किए जाते हैं। उन्होंने कहा यह आयोजन सामूहिक और सामाजिक एकता को मजबूत करने का माध्यम है। अध्यक्ष नगर पालिका परिषद अमरोहा श्रीमती शशि जैन ने नव विवाहित युगल को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए सुखमय वैवाहिक जीवन की कामना की।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद, मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, जिला महामंत्री भाजपा अभिनव कौशिक, ब्लॉक प्रमुख अमरोहा गुरिंद्र सिंह ढिल्लो, ब्लॉक प्रमुख ममता गुर्जर, जिला विकास अधिकारी सरिता द्विवेदी, पीडी डीआरडीए अम्बरीष कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी पंखुड़ी जैन सहित पार्टी पदाधिकारीगण और जिला स्तरीय अधिकारी और नव विवाहित युगल के परिजन उपस्थित रहे।

बाबा साहेब को किया गया याद, उनके जीवन संघर्षों के बारे में की गई चर्चा

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- मैथिली गार्डन, हसनपुर (निकट हसनपुर गैस एजेंसी) पर गौतम बुद्ध जन्मोत्सव समिति हसनपुर के बैनर तले बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई।इस अवसर पर सभी ने बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर जी के जीवन परिचय और उनके संघर्षों पर प्रकाश डाला। अखिल भारतीय अम्बेडकर युवक संघ हसनपुर के अध्यक्ष रामवीर सिंह ने कहा कि बाबा साहब के पास ज्ञान का भंडार था इसलिए उन्हें अमेरिका ने सिंबल ऑफ नॉलेज की उपाधि से नवाजा और पूर्व राष्ट्रपति बराक ओमान ने कहा कि था कि बाबा साहब अगर अमेरिका में पैदा हुए होते थे तो उन्हें सूरज कहा जाता । कहा कि डॉ अंबेडकर के दर्शन, शिक्षाओं एवं वर्तमान समय की घटनाओं पर चर्चा की। कहा कि हम सब मिलकर रहेंगे तभी, तभी भारत की एकता व अखंडता सुरक्षित रहेगी।

गौतम बुद्ध जन्मोत्सव समिति के अध्यक्ष दिनेश कुमार गौतम ने कहा कि बाबा साहब के जागरण के जीवन संघर्ष, संवैधानिक मूल्य, सामाजिक समरसता, शिक्षा के महत्व तथा राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर गौतम बुद्ध जन्मोत्सव समिति के अध्यक्ष दिनेश कुमार गौतम, पूर्व सभासद अरविंद कुमार अन्ना, लवी सागर, पवन राज जाटव, शिवम कुमार,ध सिंह, विनोद कुमार गौतम, डॉक्टर अशोक कुमार, विजय कुमार गौतम, मुखराम सिह,जंगबहादुर आदि मौजूद रहे।

पीएम श्री विद्यालय नन्हेड़ा अल्हयारपुर में करियर गाइडेंस मेला आयोजित

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के विकास खंड अमरोहा क्षेत्र के नन्हेड़ा अल्हयारपुर स्थित पीएम श्री विद्यालय में आज करियर गाइडेंस मेला बड़े ही उत्साह और जागरूकता के माहौल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डीसी प्रशांत कुमार रहे, जिनके आगमन से विद्यालय परिसर में बच्चों और शिक्षकों में खासा उत्साह देखने को मिला। मेले के दौरान डीसी साहब ने बच्चों से उनके करियर लक्ष्यों के बारे में विस्तार से बातचीत की और जानने की कोशिश की कि वे भविष्य में क्या बनना चाहते हैं। बच्चों ने भी पूरे आत्मविश्वास के साथ डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक, वैज्ञानिक, फौजी आदि विभिन्न क्षेत्रों में जाने की अपनी आकांक्षाएँ उत्साहपूर्वक साझा कीं। बच्चों की स्पष्ट सोच और ऊर्जा ने अतिथियों को भी प्रभावित किया। मुख्य अतिथि ने बच्चों को समझाया कि सही दिशा में मेहनत और निरंतरता से वे किसी भी मुकाम को हासिल कर सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य निर्धारित करने, समय प्रबंधन अपनाने और नियमित अध्ययन की आवश्यकता पर बल दिया। इसके साथ ही अन्य अतिथियों शिक्षक एवं विशेष आमंत्रित विशेषज्ञों ने भी बच्चों से विभिन्न विषयों पर रोचक तरीके से संवाद किया। इनमें प्रकाश संश्लेषण, लर्निंग बाय डूइंग, आओ करके सीखें, मीना मंच जैसी गतिविधियों पर विस्तृत जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को प्रायोगिक और अनुभवात्मक शिक्षा के महत्व से अवगत कराते हुए उन्हें गतिविधियों के माध्यम से सीखने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान सतवीर सिंह, कमलेश देवी, ओमेन्द सिंह, इंचार्ज अध्यापक संजीव सिरोही, संध्या सिद्धू, दीपक कुमार, लोकेश यादव, रश्मि चौधरी सहित विद्यालय का पूरा स्टाफ उपस्थित रहा। सभी ने मिलकर बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए ऐसे आयोजनों की आवश्यकता और प्रभाव पर जोर दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को करियर के प्रति जागरूक करना, उनकी प्रतिभा को पहचानना और उन्हें सही दिशा में प्रेरित करना था, जो पूर्ण रूप से सफल होता दिखाई दिया। विद्यालय प्रशासन ने बताया कि आगे भी ऐसे प्रेरणादायक मेले और गतिविधियाँ आयोजित की जाएँगी ताकि बच्चों को बेहतर अवसर और संपूर्ण विकास का मंच मिल सके।

प्री-2011 शिक्षकों को टीईटी से मुक्त करने की मांग तेज, अमरोहा सांसद को सौंपा ज्ञापन

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को जिला मंत्री मुकेश चौधरी के नेतृत्व में अमरोहा लोकसभा क्षेत्र के सांसद चौधरी कंवर सिंह तंवर के दिल्ली स्थित आवास पर पहुंचकर उनसे मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने वर्ष 2011 से पहले नियुक्त सभी प्राथमिक शिक्षकों-शिक्षिकाओं को टीईटी (शिक्षक पात्रता परीक्षा) की अनिवार्यता से मुक्त रखने के संबंध में विस्तृत ज्ञापन सौंपा और संसद में इस मुद्दे को पुरजोर तरीके से उठाने का अनुरोध किया।शिक्षक नेताओं ने सांसद को अवगत कराया कि 2011 से पहले नियुक्त हजारों शिक्षक बिना टीईटी पास किए ही लंबे समय से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। नई नियमावली लागू होने से उनके सामने अनिश्चितता का संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा कि इन शिक्षकों का अनुभव ही उनकी सबसे बड़ी योग्यता है और उन्हें टीईटी से छूट मिलनी चाहिए।सांसद चौधरी कंवर सिंह तंवर ने शिक्षकों की मांग को पूरी तरह न्यायोचित बताते हुए सकारात्मक आश्वासन दिया।

उन्होंने कहा कि वह संसद के आगामी सत्र में इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाएंगे और केंद्र व राज्य सरकार से लगातार समन्वय बनाकर इसका समाधान कराएंगे। प्रतिनिधिमंडल में वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. पृथ्वी सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष हसनपुर ओमपाल सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष गंगेश्वरी रामवीर सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष धनौरा योगेश कुमार, जिला उपाध्यक्ष नीरज चौहान, अरुण कुमार, गौरव नागर, ब्लॉक मंत्री धनौरा जितेंद्र कटारिया, ब्लॉक मंत्री जोया हीरा सिंह, वरिष्ठ पदाधिकारी डॉ. विनोद गौतम, बलजीत चौधरी, करणवीर सिंह, शीशपाल सिंह, राकेश कुमार सहित कई शिक्षक नेता मौजूद रहे शिक्षक संघ ने सांसद के रुख से उत्साहित होकर आभार व्यक्त किया और जल्द समाधान की उम्मीद जताई।

तीनों तहसीलों में आयोजित हुआ संपूर्ण समाधान दिवस

शिकायतों के त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के दिए गए सख्त निर्देश

गुन्नौर/संभल (सब का सपना):- जन सामान्य की शिकायतों के शीघ्र एवं प्रभावी निस्तारण के लिए जनपद संभल की तीनों तहसीलों में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस क्रम में तहसील गुन्नौर में जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पेंसिया के निर्देशन में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ। सीडीओ गोरखनाथ भट्ट ने फरियादियों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कोई भी शिकायत लंबित न रहे, सभी शिकायती पत्रों को गंभीरता से लेते हुए शत-प्रतिशत निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि फरियादी को बार-बार चक्कर न लगाने पड़ें। पुलिस विभाग से जुड़ी शिकायतों पर विशेष ध्यान देते हुए सीडीओ ने संबंधित थानाध्यक्षों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। तहसील दिवस एवं संपूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त सभी प्रार्थना-पत्रों को प्राथमिकता के साथ निस्तारित करने के लिए सभी अधिकारियों को पाबंद किया गया। इस अवसर पर परियोजना निदेशक डीआरडीए ज्ञान सिंह, उप जिलाधिकारी गुन्नौर अवधेश कुमार, तहसीलदार सहित जिले के समस्त विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

शारिक जीलानी ने थामा रालोद का दामन, जयंत चौधरी की विचारधारा से हुए प्रभावित

सम्भल(सब का सपना):- जनपद के कस्बा सिरसी में राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) को बड़ी मजबूती मिली। पूर्व में कांग्रेस पार्टी की सदस्यता और जिला सचिव पद से इस्तीफा दे चुके युवा नेता शारिक जीलानी ने रालोद की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण कर ली। शारिक जीलानी ने कहा कि रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केन्द्रीय मंत्री जयंत चौधरी की किसान-हितैषी नीतियों, ग्रामीण विकास के प्रति समर्पण और युवाओं को आगे लाने की सोच से वे काफी प्रभावित हैं। इसी कारण उन्होंने रालोद की विचारधारा को आगे बढ़ाने का फैसला किया।

कस्बा सिरसी स्थित जिला कार्यालय में आयोजित सदस्यता कार्यक्रम में शारिक जीलानी के साथ-साथ कई अन्य कार्यकर्ताओं ने भी रालोद की सदस्यता ली। इस मौके पर शोएब, अरशद कुरैशी, फहीम, शारिक जीलानी, अली अजीम, अजीम कुरैशी सहित बड़ी संख्या में रालोद कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे। रालोद नेताओं ने नए सदस्यों का फूल-मालाओं से स्वागत किया और जयंत चौधरी के नेतृत्व में पार्टी को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में और मजबूत करने का संकल्प दोहराया। इस सदस्यता अभियान से सम्भल जिले में रालोद को नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

सराय तरीन में खूंखार और आवारा कुत्तों का आतंक, लोग खौफ के साए में जीने को मजबूर

संभल(सब का सपना):- जनपद के कस्बा सराय तरीन में आवारा कुत्तों ने कहर बरपा रखा है। दर्जनों की संख्या में कुत्ते झुंड बनाकर गलियों-मोहल्लों में घूम रहे हैं, जिससे रात के समय घर से निकलना तक मुश्किल हो गया है। स्थानीय लोग खौफजदा हैं और बार-बार नगर पालिका से कुत्ते पकड़वाने की गुहार लगा रहे हैं। मोहल्ला भूड़ा, होज कटोरा, दरबार, चकली सहित कई इलाके की कई गलियों में दिन-रात कुत्तों के झुंड दिखाई दे रहे हैं। आसपास कचरे के ढेर लगे रहने से इनकी तादाद लगातार बढ़ती जा रही है। स्थानीय निवासी मु. सुहैल ने बताया, ह्नरात में कुत्ते झुंड बनाकर टहलते हैं। महिलाएं और बच्चे सबसे ज्यादा डरे हुए हैं। कभी भी हमला हो सकता है। लोगों का कहना है कि कुत्ता काट ले तो समय पर रेबीज की वैक्सीन भी आसानी से नहीं मिल पाती, जिससे जान का खतरा बना रहता है। चौंकाने वाली बात यह है कि ये आवारा कुत्ते अब जंगल में घुसकर गधों तक का शिकार करने लगे हैं और जंगल से निकलकर कस्बे की गलियों में घुस आए हैं। नागरिकों ने सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइंस का हवाला देते हुए कहा कि आवारा कुत्तों को तत्काल पकड़कर या तो स्टेरलाइजेशन करवाया जाए या उचित स्थान पर शिफ्ट किया जाए, ताकि कोई बड़ी दुर्घटना होने से पहले इस समस्या का स्थायी समाधान हो सके। स्थानीय लोगों ने नगर पालिका प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उनका कहना है कि अगर जल्द कुत्ते नहीं पकड़े गए तो कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है, खासकर छोटे बच्चों और महिलाओं के साथ। फिलहाल पूरा सराय तरीन क्षेत्र इन आवारा कुत्तों के आतंक से सहमा हुआ है और लोग बिना डर के अपने घरों से बाहर निकलने की राह देख रहे हैं।

राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार-प्रसार हेतु वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया गया रवाना

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जारी दिशा-निदेशों के अनुपालन में आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत के व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार हेतु 6 दिसंबर को समय 1.00 बजे जिला न्यायालय संभल स्थित चंदौसी परिसर में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें जनपद न्यायाधीश अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण डॉ. विदुषी सिंह द्वारा प्रचार-प्रसार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर जनपद न्यायाधीश ने बताया कि आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत 13 दिसंबर को आयोजित की जानी है, जिसके सफल संचालन एवं अधिकतम जनसहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह प्रचार वाहन जनपद के विभिन्न क्षेत्रों, ग्राम पंचायतों, न्यायिक परिसरों एवं सार्वजनिक स्थलों पर जाकर लोगों को लोक अदालत के लाभों से अवगत कराएंगे। न्यायाधीश ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत में वादों का त्वरित, सुलभ एवं सौहार्दपूर्ण निस्तारण संभव है तथा इसमें पक्षकारों को निःशुल्क सुविधा, समय की बचत तथा स्थायी समाधान प्राप्त होता है। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे अपने विवादों के निस्तारण हेतु लोक अदालत की इस प्रभावी व्यवस्था का लाभ उठाएँ।

इस अवसर पर अपर सत्र न्यायाधीश चंदौसी,आरती फौजदार, अपर सत्र न्यायाधीश, एस.सी./एस.टी. एक्ट. संभल स्थित चंदौसी रागिनी, नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत/ अपर सत्र न्यायाधीश विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट, सम्भल स्थित चंदौसी अवधेश कुमार सिंह, प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/ सिविल जज (सी.डि.) /ए.सी.जे.एम., चंदौसी. संभल स्थित चंदौसी पराग यादव सिविल जज (सी.डि.) /ए.सी.जे.एम. संभल स्थित चंदौसी आदित्य सिंह, सिविल जज (जू.डि.) जे.एम. संभल स्थित चंदौसी दिव्या गर्ग, न्यायिक मजिस्ट्रेट सम्भल स्थित चन्दौसी दिव्या चिंडालिया एवं बार एसोसिएशन चंदौसी के अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह व सचिव तीरथ राज यादव एल.डी.एम.ललित राय व अन्य बैंक कर्मी आदि उपस्थित रहे। यह जानकारी प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संभल स्थित चंदौसी द्वारा दी गई।

एक ही घर से निकले दो रसल वायपर और एक ब्लैक हेड रॉयल स्नेक गांव में मची अफरा तफरी

जाबुल स्नेक सेवर ने जान जोखिम में डालकर किया रेस्क्यू

जुनावई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के विकासखंड जुनावई के गांव दवतरा में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई जब एक ही घर से दो बेहद खतरनाक रसल वायपर और एक ब्लैक हेड रॉयल स्नेक सांप निकले। स्थानीय लोगों ने तुरंत मशहूर स्नेक रेस्क्यूअर और यूट्यूबर जाबुल स्नैक सेवर को सूचना दी। आपको बता दें कि जाबुल को फोन के माध्यम से सूचना मिली कि राजू यादव के मकान में तीन सांप देखे गए हैं जाबुल अपनी टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे और जान जोखिम में डालकर तीनों सांपों को सुरक्षित रेस्क्यू किया। इनमें से दो सांप भारत के सबसे जहरीले सांपों में शुमार रसल वायपर थे, जिनका जहर हिमोटॉक्सिक होता है और बिना तुरंत इलाज के मौत तय मानकर चलिए। तीसरा सांप ब्लैक हेड रॉयल स्नेक था, जो गैर-जहरीला है लेकिन दिखने में बेहद डरावना होता है। सूचना मिलते ही गांव में भारी भीड़ जमा हो गई। लोग दूर से घटना देखते रहे। जाबुल ने रेस्क्यू के दौरान लोगों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील भी की। तीनों सांपों को सुरक्षित पकड़कर जंगल में छोड़ा गया। जाबुल स्नैक सेवर ने बताया कि रसल वायपर ही एक ऐसा सांप है जो अंडे नहीं बल्कि बच्चे देता है और बाकी जितने भी सांप हैं सब अंडे देते हैं ये सांप एक बार में 15 से लेकर 70-80 बच्चे देने की क्षमता रखता है इसी लिए इसकी तादात ज्यादा तेजी से बढ़ रही है। जाबुल ने लोगों को चेतावनी दी कि रसल वायपर का काटा हुआ मरीज अगर झाड़-फूंक या देसी इलाज के चक्कर में पड़ा तो मौत निश्चित है। उन्होंने कहा, ह्नअगर कभी सांप काट ले तो फौरन नजदीकी सरकारी अस्पताल पहुंचें,

वहां मुफ्त एंटी-वेनम इंजेक्शन उपलब्ध होता है। समय रहते इलाज हो जाए तो 99% मरीज बच जाते हैं। गांव वालों ने जाबुल और उनकी टीम की बहादुरी की खूब सराहना की। पिछले कुछ दिनों में सम्भल जिले में रसल वायपर के दिखने की घटनाएं बढ़ी हैं, जिससे लोगों में दहशत का माहौल है।

खेत में बाजरा निकालने की मशीन का मुंह घर की ओर करने पर विवाद

महिला से मारपीट और धमकी के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- थाना क्षेत्र के ग्राम दिलगौरा में खेत पर बाजरा निकालने की मशीन का मुंह पड़ोसी के घर की तरफ करने के विवाद ने उस समय मारपीट और जान से मारने की धमकी का रूप ले लिया, जब पीड़िता लौंगश्री यादव ने इसका विरोध किया। आरोप है कि हुकुमपाल पुत्र भारत सिंह और उसके साथियों ने लौंगश्री, उनके पति सतीश यादव, देवर मुकुट सिंह और अन्य परिजनों के साथ गाली-गलौच करते हुए मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। इस संबंध में पीड़िता की तहरीर पर थाना बहजोई में संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया था। पुलिस महकमे द्वारा अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत 7 दिसंबर को थाना बहजोई पुलिस टीम ने मुख्य आरोपी हुकुमपाल पुत्र भारत सिंह (25) को किसौली पुल के नीचे से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को गिरफ्तार कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक सम्भल के निर्देशन में अपराध नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे अभियान में इस तरह की त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र में अपराधियों में दहशत का माहौल है।

भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर मुंसिफ परिसर में श्रद्धांजलि सभा आयोजित

सम्भल (सब का सपना):- युवा अधिवक्ता एसोसिएशन द्वारा शनिवार को सम्भल की मुंसिफ कोर्ट परिसर में बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का 69वां महापरिनिर्वाण दिवस श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बाबासाहेब को पुष्पांजलि अर्पित की गई तथा उनके संविधान निर्माण, सामाजिक न्याय और समता के आदर्शों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट पुनीत बाबू वार्ष्णेय ने कहा कि बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर भारतीय संविधान के जनक हैं। उन्होंने समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व का जो संदेश दिया, वह आज भी समाज को दिशा दिखा रहा है। एसोसिएशन के सचिव चौधरी सुवालहीन रजा एडवोकेट ने कहा कि बाबासाहेब भारत की महान विभूति हैं। हमें उनके दिखाए मार्ग पर चलकर ही सच्चा राष्ट्र निर्माण कर सकते हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता सैयद फरोग शान ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर साहब का समाज सुधार में योगदान सर्वोपरि है। दलित-शोषित वर्ग के उत्थान के लिए उन्होंने जो संघर्ष किया, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा स्त्रोत है। चौधरी रविराज चाहल एडवोकेट ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए बाबासाहेब की शिक्षा, संगठन और संघर्ष की नीति पर जोर दिया। इस मौके पर मौ. माज एडवोकेट, पुनीत बाबू वार्ष्णेय एडवोकेट, सुवालहीन रजा एडवोकेट, सैयद फरोग शान एडवोकेट, सकेश एडवोकेट, सूरज सिंह एडवोकेट, कपिल चंद्रा एडवोकेट, मौ. फराज अशी एडवोकेट सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता गण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सुवालहीन रजा ने किया तथा अंत में सभी ने बाबासाहेब के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

बहजोई महाविद्यालय में धूमधाम से मनाया गया रजत जयंती समारोह

मेधावी छात्र छात्राओं का सम्मान, स्मार्ट क्लास का हुआ उद्घाटन

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- दा बहजोई एजुकेशन डेवलपमेंट ट्रस्ट द्वारा संचालित बहजोई महाविद्यालय ने अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने पर रजत जयंती समारोह बड़े उत्साह के साथ मनाया। कार्यक्रम में मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और नई स्मार्ट क्लासरूम का उद्घाटन मुख्य आकर्षण रहा। कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुई। इसके बाद ट्रस्ट के पूर्व सदस्यों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। मेधावी छात्र-छात्राओं को संजीव मोहन द्वारा अपने स्वर्गीय माता-पिता की स्मृति में शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया।

महाविद्यालय की छात्राओं ने भक्ति गीतों पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने महाविद्यालय परिसर में नवनिर्मित स्मार्ट क्लासरूम का फीता काटकर विधिवत उद्घाटन किया। अलीगढ़ से आए सचिन कुमार आर्य ने अपने स्वर्गीय पिता वेद प्रकाश आर्य की स्मृति में चार्टर्ड अकाउंटेंसी की पढ़ाई कर रहे दो मेधावी छात्रों को नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से महाविद्यालय के प्राचार्य अजय कुमार (नीटू), लव कुमार, अजय तंबाकू, नगर पालिका अध्यक्ष राजेश शंकर राजू, नरेश कुमार, अधिवक्ता लबमोहन, राजेंद्र गुप्ता, बाबू डीआर, चेतन स्वरूप डीआर, संजीव मोहन सहित ट्रस्ट के सभी पदाधिकारी, शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं एवं क्षेत्र की बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

रजत जयंती समारोह ने न केवल महाविद्यालय की 25 वर्ष की शैक्षिक यात्रा का जश्न मनाया, बल्कि भविष्य में और बेहतर शिक्षा प्रदान करने का संकल्प भी दोहराया।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर 230 वें मुख्यमन्त्री आरोग्य मेले का किया गया आयोजन

मेला सत्रों पर चिकित्सकों एवं मेडिकल स्टाफ द्वारा कुल 2505 रोगियों का निःशुल्क उपचार

सम्भल(सब का सपना):- जनपद में 28 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं 5 नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर 230वें मुख्यमन्त्री आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। मेला सत्रों पर 36 चिकित्सकों एवं 128 पैरा-मेडिकल स्टाफ द्वारा कुल 2505 रोगियों (पुरुष रोगी- 968; महिला रोगी- 974 एवं 563 बच्चों) का निःशुल्क उपचार गया। समस्त मेला सत्रों पर आयुष्मान भारत जन-आरोग्य योजना के अन्तर्गत 195 लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड तथा 179 आभा आई.डी. बनाये गये।

जनपद में आयोजित समस्त मेला सत्रों पर बुखार के 202, चर्म रोग के 307, दमा के 252, मधुमेह रोग के 67, नेत्र रोग से सम्बन्धित 16, उच्च रक्तचाप के 58 तथा अन्य रोगों के मरीज देखे गये। बुखार के सम्बन्ध में 35 मरीजों की मलेरिया की तथा 23 रोगियों की डेंगू की जाँच की गयी; जिसमें सभी संदिग्ध मरीजों की रिपोर्ट ऋणात्मक (Negative) रही।

जनपद के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर परिवार नियोजन (फैमिली प्लॉनिंग) सम्बन्धी परामर्श व परिवार नियोजन सम्बन्धी सामग्री (चॉइस ऑफ बॉस्केट) के लिये अलग से एक काउन्टर बनाये गये। जिलाधिकारी के निदेशों के अनुपालन में जनपद की समस्त आशाओं के द्वारा सोर्स रिडक्सन एवं संचारी रोगों से बचाव के प्रति जागरुक किया गया तथा एक युद्ध नशे के विरुद्ध के अन्तर्गत 236 व्यक्तियों को तम्बाकू छोड़ो परामर्श भी दिया गया। जनपद में आयोजित समस्त मेला सत्रों का मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर तरुण पाठक तथा अन्य जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा आरोग्य मेला सत्रों का निरीक्षण किया गया।

बाबासाहेब के परिनिर्वाण दिवस पर सपा कार्यकताओं ने संविधान बचाने का लिया संकल्प

संभल (सब का सपना):- समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं ने आज भारतीय संविधान के निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर के 69वें परिनिर्वाण दिवस पर संविधान की रक्षा और सामाजिक न्याय के लिए मजबूत संकल्प लिया। पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य फिरोज खाँ के नेतृत्व में कार्यकताओं ने पक्का बाग स्थित अंबेडकर पार्क में बाबासाहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर फिरोज खाँ ने कहा, आज कुछ सत्ताधारी पार्टियाँ बाबासाहेब के बनाए संविधान को खत्म करने की साजिश कर रही हैं। गरीब, मजदूर, दलित, अल्पसंख्यक, पिछड़ा और कमजोर वर्ग के अधिकार छीनकर देश को गलत दिशा में ले जाया जा रहा है। लेकिन समाजवादी पार्टी ऐसा कभी होने नहीं देगी। हम बाबासाहेब के संविधान पर चलते रहेंगे और हर हाल में इसकी रक्षा करेंगे। कार्यकताओं ने एक स्वर में शपथ ली कि वे देश को बाँटने की किसी भी कोशिश का डटकर मुकाबला करेंगे, हर वर्ग-हर समाज की लड़ाई लड़ेंगे और सबको साथ लेकर चलेंगे। साथ ही सभी ने संकल्प लिया कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के हाथों को मजबूत करके प्रदेश और देश में समाजवादी सरकार बनाएँगे। कार्यक्रम में रामरहीम यादव, जाहिद खाँ, कासिम सैफी, गुलाम मुस्तफा, गौरव यादव, फैजान शाही, अजय सागर, फिरोज खाँ, जबर सिंह यादव, इमरान खाँ, सुरेंद्र, आरिफ खाँ, जुल्फिकार, जीतम जाटव, बिलाल शान, सलीम आलम, फराज, राजेश यादव, वीरेश यादव, देवेंद्र, वसीम, शाइन सहित बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष इन्द्रसेन यादव ने संभल के ठाठी गांव में विशाल सभा को किया संबोधित

कैला देवी/संभल (सब का सपना) जनता शासन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष इन्द्रसेन यादव ने रविवार को संभल जिले के कैलादेवी थाना क्षेत्र के ग्राम ठाठी में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित किया। उनके आगमन पर कार्यकताओं और ग्रामीणों ने फूल-मालाओं और नारों से भव्य स्वागत किया। सैकड़ों की संख्या में जुटे लोगों के बीच अध्यक्ष का जोश और उत्साह साफ देखा गया।kसभा का आयोजन पार्टी के संभल जिला अध्यक्ष राम रहीस उर्फ राजेश यादव के नेतृत्व में किया गया। इस मौके पर पूर्व लोकसभा प्रत्याशी जैगम उल इस्लाम (प्रदेश महासचिव एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश प्रभारी), चंदौसी विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रामखिलाड़ी यादव सहित पार्टी के बहुत से पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। राष्ट्रीय अध्यक्ष इन्द्रसेन यादव ने सभा को संबोधित करते हुए विपक्षी दलों पर तीखा प्रहार किया।

उन्होंने कहा, कुछ पार्टियां सिर्फ धर्म की राजनीति करके जनता को बांटने का काम कर रही हैं। हमारी जनता शासन पार्टी विकास और एकता की राजनीति करती है। उत्तर प्रदेश में तेजी से उभर रही हमारी पार्टी ही असली विकास का काम करेगी। जिला अध्यक्ष राम रहीस यादव ने सभी कार्यकताओं और क्षेत्रवासियों से अपील की कि कंधे से कंधा मिलाकर जनता शासन पार्टी को और मजबूत बनाएं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष का यह दौरा संभल और आसपास के क्षेत्रों में पार्टी की जड़ें और गहरी करने का काम करेगा।

मंडी धनौरा में राष्ट्रीय विकलांग पार्टी की मासिक बैठक का आयोजन

दिव्यांगजनों की 6000 मासिक पेंशन की मांग

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- राष्ट्रीय विकलांग पार्टी की मासिक बैठक का आयोजन मंडी धनौरा में किया गया। इस दौरान दिव्यांग जनों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलन की रणनीति तैयार की। रविवार को आयोजित इस बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र यादव ने कहा कि दिव्यांग जनों पर लगातार अत्याचार हो रहे हैं और उन्हें सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि दिव्यांग जनों की मासिक पेंशन बढ़ाकर ड्ड6000 की जाए। इसके अलावा उन्होंने कहा कि जिन दिव्यांग जनों के अंत्योदय राशन कार्ड नहीं बने हैं उनका सर्वे करके कार्ड बनाए जाएं ताकि उन्हें राशन का लाभ मिल सके। इसके अतिरिक्त दिव्यांग जनों को मुफ्त बिजली कनेक्शन और बिजली बिल की सुविधा की जाए। वहीं बैठक में मौजूद पार्टी की महिला कार्यकर्ता लक्ष्मी ने दिव्यांग जनों के अधिक बिजली बिलों की समस्या पर जोर दिया और उन्हें माफ कर शून्य करने की मांग की। रेखा देवी ने रोडवेज बसों में दिव्यांग जनों के साथ होने वाले दुर्व्यवहार का मुद्दा उठाया, जिसमें परिचालकों द्वारा अभद्र व्यवहार और बस में चढ़ने से रोकने की शिकायतें शामिल थीं, पार्टी पदाधिकारी सुरेश प्रजापति ने दिव्यांगों को एकजुटता पर जोर दिया और संगठन के विस्तार पर भी चर्चा की गई। इस मौके पर बैठक में दिनेश चौधरी, कमर आलम, जयचंद गौतम, मुजफ्फर, शशी ,रेखा ,दिलशाद, हिमांशु ,शहरून, राजूपाल, दिलशाद सैफी सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महिला क्रिकेटर प्रतिका रावल को दिल्ली सरकार देगी डेढ़ करोड़ रुपये, सीएम रेखा गुप्ता ने बताया- प्रतिभाशाली खिलाड़ी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को क्रिकेटर प्रतिका रावल से अपने आवास पर मुलाकात की और उन्हें डेढ़ करोड़ रुपये का इनाम देने की घोषणा की।हाल ही में हुए आईसीसी महिला विश्व कप में 308 रन बनाने वाली रावल, लॉरा वोल्वार्ड (571), स्मृति मंधाना (414) और एश्ले गार्डनर (328) के बाद रन बनाने वालों की सूची में चौथे स्थान पर थीं। दिल्ली की यह क्रिकेटर बांग्लादेश के खिलाफ आखिरी ग्रुप लीग मैच में चोटिल हो गई थीं और सेमीफाइनल और फाइनल मैच नहीं खेल पाई थी। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा,"मुख्यमंत्री जन सेवा सदन में, हमने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी प्रतिका रावल का स्वागत किया। हमारी प्रतिभाशाली बेटी प्रतिका ने दिल्ली को गौरवान्वित किया है। खेल के प्रति उसकी प्रतिबद्धता और उसके उत्कृष्ट प्रदर्शन को देखते हुए दिल्ली सरकार उसे सम्मानित करेगी। गुप्ता ने एक पोस्ट में कहा, "रावल को डेढ़ करोड़ रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा।"

मुख्यमंत्री ने कहा कि रावल ऊर्जा, साहस और महिला सशक्तिकरण की जीवंत प्रतिमूर्ति हैं। उन्होंने कहा, "उनकी यात्रा दशार्ती है कि दिल्ली न केवल सपनों को जन्म देती है, बल्कि उन्हें उड़ान भरने में भी मदद करती है। उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।" दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद और दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष रोहन जेटली भी इस दौरान उपस्थित थे।

तहजीब, नजाकत और नफासत संग चला मौसिकी का जादू, कथक प्रस्तुति ने मोहा मन

दक्षिणी दिल्ली। सराय काले खां स्थित बांसेरा पार्क में रेख्ता फाउंडेशन की ओर से चल रहे कार्यक्रम के दूसरे दिन लखनवी अंदाज का जादू चला। उर्दू शायरों के फिल्मी शाहकार के तहत यादगार फिल्मी गीत और उन पर कथक की लयबद्ध प्रस्तुति ने दर्शकों को झूमने-गुनगुनाने पर मजबूर किया। हुमा खलील के निर्देशन में कलाकारों ने तहजीब, नजाकत और नफासत के हर रंग को अपने नूरानी नृत्य में उकेरा। इससे पहले संगीतकार सलीम-सुलेमान ने प्रस्तुति दी। "नूर-ए-इलाही...", "अली मौला..." आदि से सूफी संगीत की परंपरा से जोड़ा। वहीं वसीम बरेलवी, विजेंद्र सिंह परवाज, जावेद अख्तर, हिलाल फरीद जैसे शायरों ने दिल्लीवासियों को मुहब्बत की भीनी खुशबू के अहसास से सराबोर किया। विजेंद्र सिंह परवाज ने वतनपरस्ती को बयान करते हुए सनाया "जर्रा-जर्रा तेरी धरती का गुलों सा महके, सबको रास आए ऐ खुदा मेरा वतन की खुशबू"। वहीं अज्म शाकिरी के शेर "तेरे ख्याल के शम्आ जलाए बैठे हैं, कोई तो फूल चढ़ाए इसी तमन्ना में, हम अपने आपको पत्थर बनाए बैठे हैं" ने खूब वाहवाही बटोरी। दयार-ए-इजहार के तहत मिर्जा गालिब पर आधारित ड्रमेटिक रीडिंग में शेखर सुमन ने गालिब के दौर को जीवंत किया तो वहीं साहित्यिक विमर्श "रश्म-उल-खत" में उर्दू, देवनागरी और रोमन स्क्रिप्ट पर चर्चा की गई। कवि व लेखक जावेद अख्तर ने भारतीय संस्कृति में विदेशी शब्दों को आत्मसात किए जाने का सिलसिला सुनाया। कहा, रिक्शा को सभी को लोग आमतौर पर आटोरिक्शा कहते हैं। जबकि आटो ग्रीक शब्द है और रिक्शा जर्मन शब्द है।

दोनों यहां इंडिया में आकर मिले। वहीं जूही बब्बर सोनी ने एकल नाट्य प्रस्तुति में आजादी के पहले और बाद के सामाजिक, राजनीतिक और साहित्यिक परिदृश्य को उकेरा। इसका निर्देशन मकरंद देशपांडे ने किया। ध्रुव सांगरी ने नुसरत फतेह अली खां की मशहूर सूफी कव्वाली "शाहे मर्दान-ए-अली..." और "अली मौला, अली मौला..." से महफिल में चार चांद लगाया। वहीं आयोजन के तहत भारतीय पकवानों और जायकों के इतिहास पर भी चर्चा हुई।

स्व. सूबेदार मुसाफिर अली क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित

संवाददाता

कुशीनगर। स्व. सूबेदार मुसाफिर अली क्रिकेट प्रतियोगिता 2025 का शुभारंभ तिरंगा यात्रा निकालकर किया गया। रविवार को बुद्ध इंटर कॉलेज के क्रीड़ांगन में मुख्य अतिथि कुशीनगर विधायक पी एन पाठक, विशिष्ट अतिथि नगर पालिका चेयरमैन प्रतिनिधि राकेश जायसवाल, पूर्व प्रमुख डॉ.प्रियेश त्रिपाठी एवं अंशु मणि त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर विविधत प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।

शुभारंभ के पूर्व शहीदों के चित्र पर पुष्प अर्पित किया कर नमन किया गया। संत जेवियर्स की छात्राओं द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुति की।आयोजक अजहर व कमेटी के लोगो द्वारा माल्यार्पण कर अतिथियों स्वागत किया । मुख्य अतिथि विधायक श्री पाठक, नपाप अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री जायसवाल ने पूर्व सैनिकों को अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि विधायक श्री पाठक ने कहा कि ऐसा आयोजन सराहनीय है। यह क्रम आगे भी चलता रहना चाहिए। जिससे युवाओं को राष्ट्र प्रेम और जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलगी। नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री जायसवाल ने कहा कि सेना कप के नाम पर हो रहा टूनार्मेंट इस क्षेत्र के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय फलक पर खेलने का अवसर प्रदान करेगा। तिरंगा यात्रा में एनसीसी कैडेट्स, एकेडमी के खिलाड़ी, सेंट जेवियर्स स्कूल के बच्चे शामिल रहे। संचालन मजिबुल्ला राही ने किया। इस दौरान कुंवर नरेंद्र सिंह, कविंद्र पांडेय, अमित मालवीय, सभासद पी एन सिंह, अशोक कुमार सिंह, विजेंद्र प्रताप सिंह उर्फ भगत सिंह, सभासद अजेंद्र सिंह, डॉ. निगम, अरुण चौबे, सचिन पाठक, सुनील यादव, विजय चौरसिया, पूर्व सैनिक सुरेश चंद पाण्डेय, नागेन्द्र पांडेय, फागू यादव, कैप्टन विजय, बहादुर कुशवाहा, सलामुद्दीन अंसारी, सच्चिदानंद राय, सी. ओ. मनीष जायसवाल हवलदार मनोज सिंह मौजूद रहे।

नए साल में बदल जाएगा दिल्ली का 'नक्शा', 11 की जगह होंगे 13 जिले; शाहदरा डिस्ट्रिक्ट होगा खत्म

नई दिल्ली। दिल्ली में जिला पुनर्गठन की प्रक्रिया इस महीने के अंत या जनवरी तक पूरी हो सकती है। दिल्ली में नगर निगम के अनुसार अब 13 जिले बनने की संभावना है, इसी पर आम सहमति बनी है। नगर निगम के 12 जोन और एनडीएमसी व कैंट एरिया अलग है। नई व्यवस्था में नगर निगम के 12 जोन के अनुसार 12 जिलों का गठन होगा और एक जिला एनडीएमसी व कैंट एरिया को मिलाकर बनेगा। सूत्रों की मानें तो दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गत दिनों इस प्रस्ताव पर मुहर लगा दी है। ईंडिया गेट के आसपास का नजारा। फोटो सौजन्य-पीटीआई जल्द ही इसे कैबिनेट में प्रस्तुत किए जाने की सरकार की योजना है। कुछ समय पहले राजस्व विभाग की ओर से इस प्रस्ताव को कैबिनेट में भेजा गया था। मगर कुछ तकनीकी अड़चन के चलते इस पर कैबिनेट में चर्चा नहीं हो सकी है। बता दें कि वर्तमान में दिल्ली में 11 जिले हैं। ऐसे में प्रशासनिक तौर पर कई तरह की समस्याएं खड़ी होती हैं। क्योंकि नगर निगम के 12 जोन हैं और एनडीएमसी और दिल्ली कैंट एरिया अलग है। दिल्ली सरकार इस समस्या को दूर करने के लिए 13 राजस्व जिले बनाने की तैयारी कर रही है। इस व्यवस्था से क्या होगा लाभ? जिलों की सीमाओं को नगर निगम के जोन के साथ मिला जाएगा। प्रशासनिक समन्वय बेहतर होगा और सीमा विवाद खत्म होगा। नागरिकों के लिए सरकारी काम-काज आसान बनेगा। सीएम रेखा गुप्ता ने किया था एलान इस बारें में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कुछ महीने पहले घोषणा की थी। जिसके अनुसार चल रही प्रक्रिया में जिला स्तर पर जो बदलाव होना है उसके अनुसार सिविल लाइंस, करोल बाग, रोहिणी, नरेला, नजफगढ़, सिटी सदर (पुरानी दिल्ली), केशवपुरम, उत्तरी पूर्वी, पूर्वी जिला बनेंगे। वर्तमान शाहदरा जिला समाप्त किया जाएगा। इसका इलाका शाहदरा उत्तरी और शाहदर दक्षिणी जिला में जोड़ा जाएगा। मध्य, नई दिल्ली, दक्षिण और पश्चिम जिले अपने मूल नामों के साथ बरकरार रहेंगे, लेकिन उनकी सीमाएं नगर निगम के जोन के अनुसार निर्धारित की जाएंगी।

बाबा साहब की पुण्यतिथि पर समाजवादी पार्टी ने दी श्रद्धांजलि

कार्यकताओं को बूथ स्तर पर सक्रिय होने के निर्देश

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिला संभल में समाजवादी पार्टी के कैंप कार्यालय बहजोई पर आज भारत रत्न बाबा डॉ. भीमराव अंबेडकर की 69वीं पुण्यतिथि (परिनिर्वाण दिवस) बड़े आदर और श्रद्धा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी, जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार सहित सैकड़ों पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने कहा, बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने भारतीय संविधान की रचना कर देश के अल्पसंख्यक, गरीब, पिछड़े एवं दलित वर्ग को सम्मान और अधिकार दिलाने का ऐतिहासिक कार्य किया। आज हर वर्ग के लोग ऊँचे पदों पर आसीन हैं, यही बाबा साहब का संविधान है जिसने देश की एकता और अखंडता को मजबूत किया है। मासिक बैठक की अध्यक्षता करते हुए श्री अंसारी ने कार्यकताओं को निर्देश दिया कि सभी अपने-अपने बूथ पर सक्रिय रहें, एस आई आर में भागीदारी सुनिश्चित करें तथा बी एल ओ के साथ मिलकर घर-घर जाकर वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने के फॉर्म भरवाएं और जमा कराएं, ताकि सौ प्रतिशत मतदाता सूची तैयार हो सके। जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शखधार ने कहा कि सभी पदाधिकारी अपने क्षेत्र के बूथों से वी एल ओ द्वारा अब तक कितने प्रतिशत फॉर्म जमा हुए हैं, इसकी रिपोर्ट तुरंत पार्टी कार्यालय पर उपलब्ध कराएं। बैठक का संचालन जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंकधार ने किया।

इस अवसर पर पूर्व प्रत्याशी चंदौसी विमलेश कुमारी, जिला उपाध्यक्ष शोभित कुमार काका, विधानसभा अध्यक्ष उमेश यादव, नगर अध्यक्ष सद्दाम कुरैशी, वरिष्ठ नेता लड्डन मियां, नगर अध्यक्ष संजय मदन, धर्मवीर सिंह यादव, कमल शर्मा, रिंकू चौहान, व्यापार सभा नगर अध्यक्ष चेतन गुप्ता, अशोक राणा, मुकेश यादव, सौरभ शंकधार, रवि शखधार, शौर्य शंकधार, जितिन शर्मा, मनोज शर्मा, जीशान (सभासद), बब्बन मौर्य, आशिक इकबाल, साबिर खान, डॉ. हो राम सिंह जाटव, अरविंद यादव, बाबू यादव, नेताजी लायक सिंह, साजिद कुरैशी, अंश बरनवाल, सत्यभान यादव, जगदीश यादव, विजय सिंह, नाजिर, राजू खड़क बंशी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र बहजोई में एक ही दिन में 25 पारिवारिक विवादों का निस्तारण

बहजोई/संभल (सब का सपना):- जनपद में पुलिस की अनूठी पहल परिवार परामर्श सुलह-समझौता केंद्र एक बार फिर परिवारों को टूटने से बचाने में कामयाब रहा। बहजोई स्थित इस केंद्र में आज आयोजित साप्ताहिक बैठक में कुल 69 पारिवारिक विवादों की सुनवाई की गई, जिनमें से 25 मामलों का मौके पर ही सौहार्दपूर्ण ढंग से निस्तारण कर दिया गया।

पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के नेतृत्व, अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिण) अनुकृति शर्मा के मार्गदर्शन एवं क्षेत्राधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में चले इस कार्यक्रम में सबसे बड़ी खुशी की बात यह रही कि आपसी कहासुनी व तनाव के कारण अलग-अलग हो चुके दस दंपतियों को फिर से एक कर दिया गया। दोनों पक्षों की सहमति से उन्हें फिर से एक छत के नीचे रहने के लिए तैयार किया गया। परामर्श केंद्र प्रभारी डॉ. रुकम पाल सिंह ने बताया कि 11 पत्रावलियाँ आवेदक द्वारा आगे बल न देने या अनुपस्थित रहने के कारण नियमानुसार समाप्त कर दी गईं, जबकि चार गंभीर मामलों में विधिक प्रक्रिया अपनाते हुए एफआईआर दर्ज कराई गई। डॉ. रुकम पाल सिंह ने कहा, पुलिस का मकसद सिर्फ केस खत्म करना नहीं है, बल्कि टूटते परिवारों में फिर से विश्वास, संवाद और संतुलन लौटाना है। यह केंद्र अब समाज में सामंजस्य स्थापित करने का मजबूत माध्यम बन चुका है। बैठक में काउंसलर अमन खुराना, श्वेता गुप्ता, अखिलेश अग्रवाल, बबीता शर्मा, कंचन महेश्वरी एवं सीमा आर्या ने सक्रिय भूमिका निभाई, जबकि पुलिस स्टाफ से हेड कांस्टेबल रश्मि गेहलोत, कांस्टेबल ज्योति एवं कांस्टेबल शहजाद मलिक ने पूरी प्रक्रिया को सुचारू रूप से चलाने में अहम योगदान दिया।

संक्षिप्त समाचार

बाब-अल-मंदेब में मालवाहक जहाज पर समुद्री लुटेरों का हमला

दुबई, एजेंसी। दुबई के पास बाब-अल-मंदेब जलडमरूमध्य में शुक्रवार को एक मालवाहक जहाज पर संदिग्ध समुद्री लुटेरों ने हमला किया। ब्रिटिश सैन्य के यूके मेरिटाइम ट्रेड ऑपरेशंस सेंटर के अनुसार, छोटे जहाजों ने बड़े पोत का दूर तक पीछा करने के बाद उस पर गोलीबारी की। निजी सुरक्षा कंपनी डायप्लस ग्रुप ने बताया कि जहाज पर दो बार हमला होने के बाद ही सवार सशस्त्र गार्डों ने जवाबी फायरिंग की। हालांकि, इस हमले में किसी भी क्रू को नुकसान नहीं पहुंचा है। बता दें कि यह मार्ग लाल सागर और अदन की खाड़ी को जोड़ता है। यहां पहले यमन के हूती विद्रोहियों और सोमालियाई समुद्री लुटेरों की गतिविधियां देखी गई थीं। फिलहाल गाजा संघर्ष में अस्थायी युद्धविराम के कारण हूती हमले रुके हुए हैं।

सीरिया में अमेरिकी छापे में चूक के चलते आईएस अधिकारी की जगह मारा गया खुफिया एजेंट

दमिश्क, एजेंसी। पश्चिम एशियाई देश- सीरिया के डुमेयर में अमेरिकी छापे में चूक के चलते आईएस अधिकारी की बजाय एक खुफिया एजेंट मारा गया। अक्तूबर में एक अमेरिकी छापे में इस्लामिक स्टेट (आईएस) के अधिकारी को निशाना बनाया गया था, लेकिन इसके बजाय वर्षों से आईएस में घुसपैठ कर खुफिया जानकारी जुटा रहे खुफिया एजेंट खालिद अल-मसूद की जान चली गई। परिवार और सीरियाई अधिकारियों ने बताया कि अल-मसूद अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा की सरकार के लिए काम कर रहे थे। विशेषज्ञों का मानना है कि यह गलती आईएस-विरोधी अभियानों के लिए बड़ा झटका हो सकती है। इस बीच अमेरिकी सेनाओं ने दक्षिण सीरिया में आईएस के 15 हथियार भंडार को एक अभियान के तहत खत्म किया है।

स्पेन में स्वाइन फ्लू का प्रकोप, मलयेशिया में सूअर के मांस के आयात पर प्रतिबंध

मैड्रिड , एजेंसी। मलयेशिया ने स्पेन में अफ्रीकन स्वाइन फ्लू (एएसएफ) के प्रकोप के बाद स्पेन से सूअर के मांस और उससे बने अधिकांश उत्पादों के आयात पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है। केवल रिपोर्ट उत्पादों को इस प्रतिबंध से छूट दी गई है। वायरस पिछले महीने बार्सिलोना के पास जंगली सूअरों में पाया गया था और इसके बाद कई और मामले सामने आए। मलेशियाई वेटरनरी सर्विसेज विभाग ने कहा कि स्पेनिश सुअर तभी स्वीकार किया जाएगा जब उसके साथ 28 नवंबर या उससे पहले जारी स्वास्थ्य प्रमाण पत्र हो।

क्लाउडफ्लेयर नेटवर्क में खराबी से ठप रहीं लिंक्डइन-जूम साइटें

वाशिंगटन, एजेंसी। इंटरनेट अवसंरचना कंपनी क्लाउडफ्लेयर में खराबी के कारण शुक्रवार को लिंक्डइन व जूम सहित कई वैश्विक वेबसाइटें ठप रहीं। कंपनी ने कहा कि वह तकनीकी खामी की जांच कर रही है। क्लाउडफ्लेयर की तरफ से मुहैया कराई जा रही सेवाओं में तीन हफ्ते से भी कम समय में दूसरी बार खामी आई है। क्लाउडफ्लेयर ने दावा किया कि समस्या का समाधान हो गया है। वह क्लाउडफ्लेयर डैशबोर्ड और संबंधित एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (एपीआई) के साथ समस्याओं की जांच कर रही है जो सॉफ्टवेयर प्रणाली को एक दूसरे के साथ समन्वय करने में सक्षम बनाते हैं। इस बीच, सोशल मीडिया मंच पर उपयोगकर्ताओं ने वेबसाइट इस्तेमाल करने में आने वाली समस्याओं की सूचना दी।

यूक्रेन युद्ध पर शांति वार्ता सफल हुई तो भी पुतिन के खिलाफ वारंट नहीं हटेगा : आईसीसी

वाशिंगटन, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) की उप अभियोजक नजहत शमीम खान ने कहा कि यूक्रेन युद्ध को लेकर शुरू हुई शांति वार्ताओं के सफल होने पर भी रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ जारी गिरफ्तारी वारंट खत्म नहीं होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि अदालत की जांच तभी रोकी जा सकती है जब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद इसे अस्थायी तौर पर स्थगित करने का अनुरोध करे। खान ने कहा, जब एक बार जांच शुरू हो जाती है, तो हम अपने नियामक ढांचे के तहत ही आगे बढ़ते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि न्याय और शांति एक-दूसरे के पूरक हैं। स्थायी शांति के लिए जवाबदेही जरूरी है। बता दें कि बीते कुछ हफ्तों में अमेरिका, यूक्रेन और रूस के अधिकारी संभावित समझौते पर बातचीत के लिए कई दौर की बैठकों में शामिल हुए हैं। लेकिन खान ने कहा कि आईसीसी की प्रक्रिया इन वार्ताओं से प्रभावित नहीं होगी।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान में फिर बढ़ा तनाव, रातभर हुई जमकर गोलीबारी; एक दूसरे पर बरसे

काबुल, एजेंसी। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ रहा है। दोनों देशों की सेनाओं के बीच शुक्रवार देर रात सीमा पर गोलीबारी हुई लेकिन इस दौरान किसी के हताहत होने या किसी प्रकार नुकसान की कोई खबर नहीं मिली है। दोनों पक्षों ने पिछले दो महीने से लागू संघर्ष विराम समझौते का उल्लंघन कर गोलीबारी करने के लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराया। सीमा पर तनाव कम करने और संघर्ष विराम को कायम रखने के उद्देश्य से अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच नवंबर में हुई बातचीत असफल रही थी लेकिन अक्टूबर में कतर की मध्यस्थता से किया गया संघर्ष विराम समझौता मुख्यतः कायम रहा।

गोलीबारी से एक दिन पहले ही पाकिस्तान ने कहा था कि वह संयुक्त राष्ट्र को चमन और तोरखम सीमा के रास्ते अफगानिस्तान में राहत सामग्री भेजने की अनुमति देगा। ये सीमाएं बढ़ते तनाव के कारण लगभग दो महीने से बंद हैं। पाकिस्तानी स्थानीय पुलिस अधिकारी मोहम्मद सादिक ने दावा किया कि गोलीबारी अफगानिस्तान की ओर से शुरू हुई और पाकिस्तानी सैनिकों ने चमन सीमा के पास जवाबी गोलीबारी की।

काबुल में, अफगान तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहउल्ला मुजाहिद ने पाकिस्तान पर गोलीबारी शुरू करने का आरोप लगाया। अफगान सीमा पुलिस के प्रवक्ता अबीदुल्ला फारूकी ने भी कहा कि पहले पाकिस्तानी सेना ने अफगानिस्तान की ओर स्पिन बोल्दक सीमा क्षेत्र में एक हथगोला फेंका, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान संघर्ष विराम को लेकर प्रतिबद्ध है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के प्रवक्ता मुशर्रफ जैदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि इससे पहले शाम को, 'अफगान तालिबान शासन ने चमन सीमा पर बिना किसी कारण गोलीबारी की।' उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी सेना पूरी तरह सतर्क है और देश की क्षेत्रीय अखंडता व अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अक्टूबर में सीमा पर हुई झड़पों के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। इस संघर्ष में दर्जनों सैनिक, आम नागरिक एवं संदिग्ध चरमपंथी मारे गए और दोनों पक्षों के सैकड़ों लोग घायल हो गए। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में नौ अक्टूबर को हुए विस्फोटों के बाद हिंसा भड़क उठी। इन विस्फोटों के लिए तालिबान सरकार ने पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया और बदला लेने का संकल्प लिया। हाल के वर्षों में दोनों पड़ोसी देशों के बीच यह सबसे भीषण संघर्ष था। कतर की मध्यस्थता से हुए संघर्ष विराम समझौते से तनाव कुछ हद तक कम हुआ लेकिन इस्तांबुल में बाद में हुई शांति वार्ता के दौरान कोई समझौता नहीं हो सका।

नेशनल गार्ड की तैनाती को लेकर घिरे राष्ट्रपति ट्रंप, संघीय अदालत ने उठाए सवाल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एक संघीय जज ने शुक्रवार को ट्रंप प्रशासन के कैलिफोर्निया नेशनल गार्ड तैनात करने के फैसले पर सवाल उठाए। ट्रंप प्रशासन ने पहले लॉस एंजिलिस में नेशनल गार्ड्स की तैनाती की और इसे लेकर हिंसक विरोध प्रदर्शन भी हुए। सैन फ्रांसिस्को में सुनवाई के दौरान यूएस डिस्ट्रिक्ट जज चार्ल्स ब्रेयर ने सवाल किया कि क्या प्रशासन संघीय कानून की आड़ में हमेशा के लिए स्टेट गार्ड्स को नियंत्रित कर सकती है।

जज ने संघीय सरकार से किए तीखे सवाल : जज ने कहा कोई संकट हमेशा नहीं रहता। मेरा मानना है कि अनुभव हमें सिखाते हैं कि संकट आते-जाते रहते हैं और ऐसा ही चलता है। जज ने संघीय सरकार के अटॉर्नी से पूछा कि क्या ऐसा कोई सबूत है, जिससे साबित हो कि राज्य सरकार सक्षम नहीं हैं या संघीय लोगों और संघीय संपत्ति की सुरक्षा नहीं कर सकती? गौरतलब है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने कैलिफोर्निया में हजारों नेशनल गार्ड्स की तैनाती की है।

जज ने नेशनल गार्ड्स की तैनाती को अवैध करार दिया : कैलिफोर्निया प्रशासन ने अदालत से अपील की कि राज्य में तैनात नेशनल गार्ड्स का नियंत्रण अब राज्य सरकार को सौंपा जाए, लेकिन अदालत ने फिलहाल ऐसा करने से इनकार कर दिया, लेकिन जज ने कैलिफोर्निया में नेशनल गार्ड्स की तैनाती को अवैध करार दिया है। कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल रॉब बोन्टा ने कहा, 'नेशनल गार्ड राष्ट्रपति की कोई निजी आर्मी नहीं है, जिसे वे जहां चाहे, वहां तैनात कर दें और उसकी कोई वजह भी न बताएं।' अप्रवासन कार्रवाई का विरोध होने पर राष्ट्रपति ट्रंप ने कैलिफोर्निया में चार हजार से ज्यादा नेशनल गार्ड्स की तैनाती की थी। हालांकि अब उनकी संख्या घटकर करीब 100 ही रह गई है।

पाकिस्तानी सेना बोली- इमरान मानसिक रूप से बीमार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तानी सेना ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को 'मानसिक रूप से बीमार' बताया है। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस के डायरेक्टर जनरल लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि इमरान खान राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सीधा खतरा हैं। यह प्रेस कॉन्फ्रेंस नए चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज हेडक्वार्टर के उद्घाटन के तुरंत बाद हुई। रिपोर्टर्स से बात करते हुए लेफ्टिनेंट जनरल चौधरी ने कई बार इमरान खान की आलोचना की। उन्होंने खान का एक ट्वीट दिखाते हुए कहा कि यह जानबूझकर सेना के खिलाफ नरेटिव बनाने की कोशिश है।

सेना बोली- राजनीति में सेना को न घसीटें : डीजी आईएसपीआर चौधरी ने खान को ऐसा शख्स बताया जो संविधान से ज्यादा अपने व्यक्तिगत फायदे को प्राथमिकता देता है। उन्होंने कहा, 'एक व्यक्ति सोचता है कि अगर वो नहीं है, तो कुछ भी नहीं। वह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन चुका है। उसे लगता है कि मेरे बिना कुछ नहीं चल सकता। चौधरी ने कहा कि किसी को भी पाकिस्तान की सेना और जनता के बीच दरार पैदा करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। उन्होंने राजनीतिक दलों से कहा कि अपनी राजनीति में सेना को न घसीटें। संस्थाओं की सीमाओं का सम्मान करें।

हिरासत में मिलने वालों पर सवाल : लेफ्टिनेंट जनरल चौधरी ने यह भी सवाल उठाया कि जेल में बंद इमरान खान किस कानून के तहत लोगों से मिलते हैं और राज्य तथा सेना के खिलाफ नरेटिव तैयार करते हैं? उन्होंने पूछा, 'कौन सा कानून है जो एक कैदी को लोगों से मिलने और राज्य तथा पाकिस्तान की सशस्त्र सेनाओं के खिलाफ नरेटिव तैयार करने की अनुमति देता है?' उनका दावा था कि खान जब भी किसी से मिलते हैं, तो संविधान और कानून को किनारे रखकर राज्य और सेना के खिलाफ माहौल बनाने की कोशिश करते हैं।

प्रोफेसर ने यहूदी धर्म स्थल के पास चूहे मारने के लिए की पिस्तौल से गोलीबारी, विवाद के बाद अमेरिका छोड़ा

बोस्टन, एजेंसी। हार्वर्ड विश्वविद्यालय के एक विजिटिंग प्रोफेसर कार्लोस पुर्तगाल गुवेआ को वीजा रद्द होने के बाद अमेरिका छोड़ना पड़ा है। ब्राजील मूल के गुवेआ ने पुलिस को बताया था कि उन्होंने अपने घर के पास चूहे मारने के लिए पिस्तौल का इस्तेमाल किया था। यह घटना योम किप्पुर (यहूदी समुदाय का पर्व) के दिन एक सिनेगॉग के पास हुई थी, जिसके बाद मामला तूल पकड़ गया। अमेरिकी आव्रजन विभाग ने बुधवार को कार्लोस को हिरासत में लिया। अधिकारियों के मुताबिक, गुवेआ निर्वासन का सामना करने के बजाय स्वेच्छा से अमेरिका से निकलने पर राजी हो गए। उनके वकील ने बताया कि वह गुरुवार को ब्राजील पहुंच गए। घटनास्थल के पास स्थित टेंपल बेथ जायन (सिनेगॉग) ने घटना के कुछ दिनों बाद सोशल मीडिया पर कहा था कि मामले में यहूदी-विरोधी भावना का कोई संकेत नहीं मिला है। शुरुआत में पुलिस ने भी बताया था कि गुवेआ को पता नहीं था कि वह सिनेगॉग के पास हैं या उस दिन कोई धार्मिक पर्व है। उनका कहना था कि वह केवल चूहे मार रहे थे। इसके बावजूद, अमेरिका के गृह सुरक्षा विभाग ने इस घटना को यहूदी-विरोधी कृत्य बताते हुए कड़ा रुख अपनाया। विभाग की सहायक सचिव ट्रिशिया मैक्लॉफलिन ने कहा कि अमेरिका में काम करना और पढ़ाई करना एक

विशेषाधिकार है, अधिकार नहीं। उन्होंने कहा कि ऐसे हिंसक यहूदी-विरोधी कृत्यों के लिए देश में कोई स्थान नहीं है। ब्रुकलाइन पुलिस के मुताबिक, घटना एक अक्तूबर की रात करीब नौ बजे हुई, जब योम किप्पुर के चलते सिनेगॉग में प्रार्थना चल रही थी। सुरक्षा गार्डों ने दो तेज आवाजें सुनीं और गुवेआ को एक पेड़ के पीछे बंदूक लिए खड़ा देखा। पुलिस के पहुंचने पर प्रोफेसर और एक अधिकारी के बीच हल्की झड़प भी हुई। हालांकि बाद में गुवेआ को काबू में कर लिया गया। गुवेआ के खिलाफ प्रारंभ में तीन मामूली और एक गंभीर आरोप लगाए गए थे। उन पर पिस्तौल का गलत इस्तेमाल करने, तोड़फोड़ करने, गलत व्यवहार करने और शांति भंग करने के आरोप लगाए गए थे। बाद में अधिकांश आरोप हटा दिए गए और केवल पिस्तौल का गैरकानूनी इस्तेमाल वाला आरोप रखा गया। अमेरिकी विदेश विभाग ने 16 अक्तूबर को गुवेआ का जे-1 वीजा रद्द कर दिया था। हार्वर्ड लॉ स्कूल की वेबसाइट पर उन्हें 2025 सेमेस्टर के लिए विजिटिंग प्रोफेसर बताया गया है। वह 'भ्रष्टाचार और असमानता सेमिनार' तथा 'सतत पूंजीवाद' जैसे पाठ्यक्रम पढ़ा रहे थे। वह साओ पाउलो विश्वविद्यालय के लॉ स्कूल में सहायक प्रोफेसर और ब्राजील स्थित ग्लोबल लॉ इंस्टीट्यूट के सीईओ भी हैं। हार्वर्ड ने इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। वहीं साओ पाउलो यूनिवर्सिटी के लॉ स्कूल के निदेशक सेल्सो कैंपिलोंगो ने गुवेआ का समर्थन करते हुए कहा कि उनके खिलाफ लगाए जा रहे आरोप भ्रामक हैं और उन्होंने हमेशा मानवाधिकारों तथा यहूदी समुदाय के हितों का साथ दिया है।

नीरव मोदी की जेल बदलने से ब्रिटेन में मुकदमे की सुनवाई पर असर

लंदन, एजेंसी। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) घोटाले के आरोपी और भारत में वांछित फरार व्यापारी नीरव मोदी की जेल बदले जाने से ब्रिटेन में बैंक ऑफ इंडिया से जुड़े 80 लाख डॉलर के बकाया ऋण मामले की सुनवाई में नई जटिलताएं पैदा हो गई हैं। वकील ने लंदन हाईकोर्ट को बताया कि नीरव मोदी को अब एक छोटे सेल में दूसरे कैदियों के साथ रहना पड़ रहा है और उनके पास अपने कानूनी दस्तावेजों तक पर्याप्त पहुंच नहीं है, जिससे उनकी केस तैयारी प्रभावित हो रही है। 54 वर्षीय मोदी को हाल ही में एचएमपी थेम्साइड से एचएमपी पेंटनविले स्थानांतरित किया गया था,

ताकि वह एक अलग ऋण मामले में अदालत में उपस्थिति दर्ज करा सकें।

जज साइमन टिंकलर को बताया गया कि जनवरी 2026 में निर्धारित मुकदमे से पहले मोदी को अपनी गवाही और बचाव तैयार करने के लिए अधिक समय चाहिए। जज टिंकलर ने टिप्पणी की कि आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध न होने से मोदी निष्पक्ष तरीके से अपनी बात पेश नहीं कर पाएंगे। उन्होंने निर्देश दिया कि थेम्साइड जेल में मौजूद उनके सभी दस्तावेज तुरंत पेंटनविले जेल भेजे जाएं। अदालत ने मामले की अगली समीक्षा सुनवाई 19 दिसंबर को तय की है।

ऑनलाइन सुनवाई में मोदी के वकील ने कहा कि बिना आईटी सुविधा, छोटे सेल और साझा डेस्क की वजह से उनके मुवक्किल को गंभीर असुविधा हो रही है। वहीं बैंक ऑफ इंडिया के वकील ने इस दलील का विरोध करते हुए कहा कि मोदी लगातार देरी की रणनीति अपना रहे हैं और भारत प्रत्यर्पण से पहले ही सुनवाई पूरी हो जानी चाहिए।

2019 से ब्रिटेन में हिरासत में है मोदी: नीरव मोदी 2019 से ब्रिटेन में हिरासत में हैं और अब तक की सभी जमानत याचिकाएं खारिज हो चुकी हैं। भारत में उनके खिलाफ सबीआई, ईडी और गवाहों के साथ छेड़छाड़ से जुड़े तीन प्रमुख आपराधिक मामले लंबित हैं। 2021 में ब्रिटेन ने उनके प्रत्यर्पण को मंजूरी दी थी, लेकिन हाल ही में उनकी अपील दोबारा खोलने की अनुमति मिलने से प्रक्रिया एक बार फिर लंबी हो सकती है।

अमेरिका में अवैध प्रवासियों पर सख्ती बढ़ी, सोमालिया-मैक्सिको के 12 लोग गिरफ्तार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के मिनियापोलिस में फेडरल एजेंट्स ने इस सप्ताह अवैध रूप से रह रहे लोगों के खिलाफ बड़े पैमाने पर छापेमारी की। इस छापेमारी में 12 लोगों को गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई का मुख्य लक्ष्य सोमाली समुदाय के अवैध प्रवासियों पर था, लेकिन गिरफ्तार लोगों में केवल पांच सोमाली थे। बाकी में छह मेक्सिकन और एक एल साल्वाडोर का नागरिक था। बता दें कि मिनियापोलिस-सेन्ट पॉल क्षेत्र में अमेरिका की सबसे बड़ी सोमाली समुदाय रहती है। ट्रंप प्रशासन ने इससे पहले शिकागो, लॉस एंजिलिस और चार्लोट में भी बड़े पैमाने पर निर्वासन अभियान चलाया था। इसी तरह इस सप्ताह न्यू ऑरलियन्स में भी कार्रवाई की गई है, जहां अधिकारी 5,000 लोगों तक को गिरफ्तार करने की योजना बना रहे हैं।

गिरफ्तार लोगों में कुछ पर पहले से ही मामले दर्ज : मामले में डीएचएस की सहायक सचिव ट्रिशिया मैक्लॉगलिन ने कहा कि गिरफ्तार किए गए 12 लोगों में से अधिकांश सबसे बड़े अपराधी अवैध प्रवासी हैं। इनमें से आठ पर हिंसा, धोखाधड़ी, घरेलू हिंसा और नशे में ड्राइविंग जैसे मामले थे। वहीं मिनियापोलिस के मेयर जैकब फ्रे ने कहा कि शहर की पुलिस फेडरल इमिग्रेशन अभियान में भाग नहीं लेगी। इसके बावजूद डीएचएस की मैक्लॉगलिन ने फ्रे और वाल्ज़ पर आरोप लगाया कि उन्होंने इमिग्रेशन कानून लागू नहीं किया और नागरिकों की सुरक्षा को खतरे में डाला।

ट्रंप की आलोचना और विवाद क्यों : गौरतलब है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में सोमाली प्रवासियों को सार्वजनिक रूप से कचरा कहा। साथ ही कहा कि वे देश के लिए योगदान नहीं करते। उन्होंने मिनेसोटा के डेमोक्रेटिक गवर्नर टिम वाल्ज पर भी आरोप लगाया कि उनके कार्यकाल में सरकारी कार्यक्रमों में धोखाधड़ी हुई और इससे एक सोमाली कट्टरपंथी समूह को धन पहुंचा। इस छापेमारी और ट्रंप की टिप्पणियों की स्थानीय और राज्य अधिकारियों ने तीखी आलोचना की है।

ट्रंप खुश हुए! अमेरिकी राष्ट्रपति को मिला 'फीफा शांति पुरस्कार', खुद ही उठाकर पहना

वाशिंगटन, एजेंसी। नोबेल शांति पुरस्कार की मांग कर रहे डोनाल्ड ट्रंप को नोबेल तो नहीं लेकिन फीफा शांति पुरस्कार जरूर मिल गया है। फुटबॉल की वैश्विक संस्था अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपने नए फीफा शांति पुरस्कार से सम्मानित किया है। यह पुरस्कार खेल से इतर वैश्विक शांति को ध्यान में रखकर बनाया गया है और ट्रंप इसके पहले विजेता हैं।

फीफा ने क्यों दिया यह पुरस्कार : डोनाल्ड ट्रंप का नोबेल शांति पुरस्कार के लिए प्रेम किसी से छिपा नहीं है। ऐसा माना जा रहा है कि फीफा द्वारा इस साल से शुरू किया जा रहा है शांति पुरस्कार ट्रंप को ही मिलेगा। वैसे बी फीफा के वर्तमान अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो को ट्रंप का करीबी माना जाता है। वह कई बार खुले तौर पर इस बात को कह चुके हैं कि गाजा संघर्ष में युद्धविराम करवाने के लिए ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार मिलना ही चाहिए।

फीफा के अगले विश्वकप के लिए आयोजित किए जा रहे एक कार्यक्रम में जियानी ने अमेरिकी राष्ट्रपति का स्वागत करते हुए ट्रंप को यह पुरस्कार देने का ऐलान किया। उन्होंने कहा, 'यह आपके लिए एक सुंदर मेडल है, जिसे आप जहां चाहें, वहां पहन सकते हैं।' इसके बाद ट्रंप ने तुरंत ही इसे अपने गले में डाल लिया। इसके साथ ही ट्रंप को एक सर्टिफिकेट भी दिया गया, जिसमें ट्रंप को 'दुनिया में शांति और एकता बढ़ाने में योगदान' देने वाला बताया गया।

इसके अलावा जियानी ने ट्रंप को एक सोने की ट्राफी भी भेंट की। इस पर आगे ट्रंप का नाम लिखा हुआ था। उन्होंने कहा, 'आप इस शांति पुरस्कार के योग्य हैं, अपनी कोशिशों और उपलब्धियों के लिए। फीफा शांति पुरस्कार मिलने के

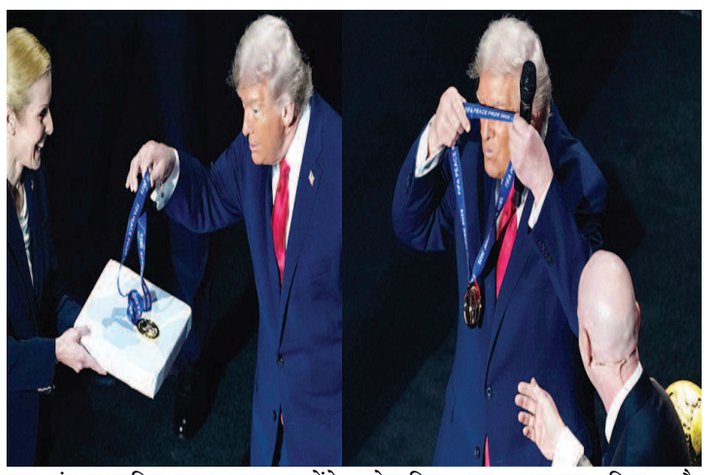

बाद ट्रंप उत्साहित नजर आए। उन्होंने कहा, 'यह मेरे जीवन के सबसे बड़े सम्मानों में से एक है।' इसके बाद उन्होंने अपने परिवार, खासतौर पर अपनी पत्नी मेलानिया का धन्यवाद दिया और मेजबान देशों कनाडा और मेक्सिको के नेताओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह तीनों देशों के लिए बेहतर रहेगा।

ट्रम्प ने कहा, 'ये मेरी जिंदगी के सबसे बड़े सम्मानों में से एक है। अब दुनिया पहले से ज्यादा सुरक्षित जगह है।' इन्फेंटिनो ने कहा कि ट्रम्प को ये सम्मान दुनिया में शांति और एकता बढ़ाने के लिए दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ट्रम्प को तो नोबेल पीस प्राइज भी मिलना चाहिए था, खासकर गाजा में युद्धविराम कराने की कोशिशों के लिए। ये पुरस्कार फीफा का पहला शांति पुरस्कार है। फीफा ने अभी तक इसके चयन की प्रक्रिया के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। कई फीफा अधिकारियों को भी ये घोषणा अचानक लगी थी। इससे एक दिन पहले वॉशिंगटन में इंस्टीट्यूट ऑफ पीस का नाम ट्रम्प के नाम पर 'डोनाल्ड जे. ट्रम्प इंस्टीट्यूट ऑफ पीस' कर दिया गया था। यहां कांगो और रवांडा के नेताओं ने ट्रम्प की मौजूदगी में शांति समझौता किया था।

विराट और रोहित के रहने से बढ़ती हैं जीतने की संभावनाएं : गंभीर

2027 विश्वकप तक दोनो के खेलने की उम्मीद बनी

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली की जमकर प्रशंसा करते हुए है कि इनके रहने से टीम की जीत की संभावनाएं काफी बढ़ जाती है। ऐसे में अगर ये फिट रहते तो टीम के साथ बने रहेंगे। गंभीर के इस बयान से साफ है कि रोहित और विराट के 2027 विश्वकप में खेलने की संभावनाएं बरकरार है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में मिली जीत के बाद गंभीर ने कहा है कि रोहित और विराट की मौजूदगी से भारतीय टीम के जीतने की संभावनाएं काफी बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि भले ही अब ये दोनो एक ही प्रारुप खेलते हैं फिर भी इनकी लय बनी हुई है। ऐसे में एकदिवसीय प्रारुप में इन दोनो खिलाड़ियों का योगदान टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। । गंभीर ने साफ किया कि 2027 विश्व कप के लिए दोनों खिलाड़ियों की उपयोगिता कम नहीं होगी, बल्कि और बढ़ेगी।

गंभीर ने कहाः ये दोनो ही उच्च गुणवत्ता वाले खिलाड़ी हैं। लंबे समय से भारत के लिए वही करते आ रहे हैं जो टीम को चाहिए। उनका लंबा अनुभव ड्रेसिंग रूम में बेहद महत्वपूर्ण है। उम्मीद है कि वे आगे भी टीम को वही स्थिरता देंगे।' उनके इस बयान से साफ है कि 2027 विश्व कप की योजनाओं में दोनों दिग्गजों की जगह बनी हुई है।

गंभीर के इस बयान से उन बातों पर विराम लग गय है जिसमें कहा गया था कि उनकी कोहली और रोहित से नहीं बन रही है। । इसके बीच चयन और योजनाओं को लेकर मतभेद बताये गये थे पर अब गंभीर के इस बयान से लगता है सबस कुछ सामान्य है।

ये भी कहा जा रहा है कि रोहित-कोहली ने इससे पहले ऑस्ट्रलिया औरा अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में शानदार प्रदर्शन कर गंभीर को अपना रुख बदलने पर मजबूर कर दिया था। रोहित ने ऑस्ट्रेलिया वहीं विराट ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जबरदस्त प्रदर्शन किया है।

गंभीर के बयान से तय है कि अगर इन दोनो की फिटनेस और फार्म सही रहते हैं तो ये दोनो 2027 विश्व कप में खेलते नजर आ सकते हैं।

पीटर्सन ने ऑस्ट्रेलियन ओपन गोल्फ खिताब जीता

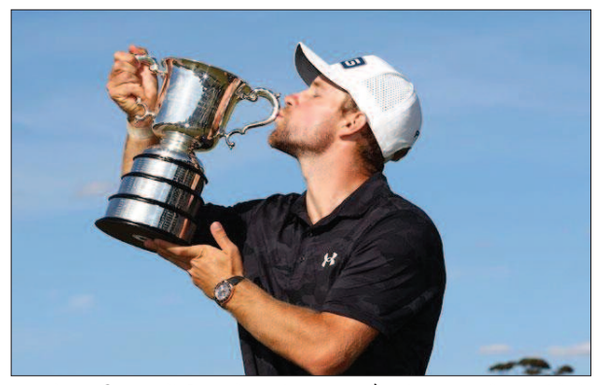

मेलबर्न (एजेंसी)। मेलबर्न (ईएमएस)। जर्मनी के रासमुस नीरगार्ड-पीटर्सन ने ऑस्ट्रेलियन ओपन गोल्फ खिताब जीत लिया है। ये पीटर्सन का पहला बड़ा खिताब है। उन्होंने करीबी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी कैमरन स्मिथ को पीछे छोड़ा। प्राप्त जानकारी के अनुसार 72वें होल तक नीरगार्ड-पीटर्सन और स्मिथ दोनों 15-अंडर के स्कोर साथ ही बराबरी पर थे पर इसके बाद पीटर्सन ने एक शॉट से जीत हासिल कर ली।

पीटर्सन ने 67, 66, 66 और 70 के राउंड खेलते हुए कुल 15-अंडर 269 का स्कोर बनाया। वहीं स्मिथ अंतिम दौर की शुरुआत दो शॉट पीछे से करते हुए 10वें होल तक बढ़त भी ले चुके थे, लेकिन 12वें होल की बोगी से संतुलन बिगड़ गया और दोनों फिर बराबरी पर आ गए पर अंतिम पुट डालते ही मुकाबला बदल गया।

वहीं ऑयरलैंड के रॉरी मैकइलरॉय ने अंतिम दिन 69 का राउंड खेला और संयुक्त रूप से 10वें स्थान पर रहे। मैकइलरॉय ने कहा कि ऑस्ट्रेलियन ओपन को बेहतर तारीख मिलनी चाहिए ताकि दुनिया के शीर्ष खिलाड़ी यहां आ सकें। ऑस्ट्रेलियन ओपन के विजेता को अगले साल के मास्टर्स टूर्नामेंट में सीधे प्रवेश मिलता है।

रिटेंशन पर्स की वजह से केकेआर ने आंद्रे रसेल को किया रिलीज

- रिटायरमेंट और कोचिंग भूमिका पर हुई चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 की मिनी नीलामी से ठीक पहले कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने अपने सबसे बड़े मैच-विजेताओं में से एक आंद्रे रसेल को रिलीज करने का बड़ा फैसला किया। इस निर्णय ने क्रिकेट जगत और फैंस को हैरान कर दिया, क्योंकि रसेल सालों से केकेआर के सबसे भरोसेमंद खिलाड़ियों में गिने जाते रहे हैं। फ्रैंचाइज़ी के सीईओ वेंकी मैसूर ने हाल ही में एक इंटरव्यू में इस फैसले के पीछे की पूरी कहानी और उससे जुड़े भावनात्मक पल साझा किए।

मैसूर ने बताया कि रसेल को रिलीज करने की सबसे बड़ी वजह रिटेंशन स्लैब्स से जुड़ा वित्तीय ढांचा था। भले ही रसेल का कॉन्ट्रैक्ट मूल्य 12 करोड़ रुपये था, लेकिन 2025 सीजन के लिए उन्हें रिटेन करने पर केकेआर के पर्स से 18 करोड़ रुपये कटने थे। उन्होंने कहा कि यह राशि नीलामी रणनीति के लिहाज से बेहद भारी थी और टीम को बाकी संयोजन मजबूत करने में मुश्किल पैदा कर सकती थी। उन्होंने कहा, 'कई लोग समझ नहीं पाए कि असल कटौती 18 करोड़ की थी, 12 करोड़ की नहीं। लोग सोच रहे थे कि केकेआर 12 करोड़ के खिलाड़ी को क्यों छोड़ेगी, लेकिन नीलामी के संदर्भ में 18 करोड़ बहुत बड़ी रकम है। यही मुख्य कारण था।'

मैसूर ने आगे बताया कि जब यह निर्णय रसेल के साथ साझा किया गया, तो वह भावुक हो गए। 2014 में केकेआर से जुड़ने के बाद रसेल कभी भी नीलामी पूल में नहीं गए थे। उन्होंने स्वीकार किया कि अचानक नीलामी का हिस्सा बनने का विचार उनके लिए मानसिक रूप से बहुत भारी था। मैसूर के अनुसार, रसेल ने उनसे कहा, 'मैंने कई रातें बिना सोए बिताईं, सोचता रहा कि आगे क्या होगा। मैं पर्पल-गोल्ड जर्सी और नाइटराइडर्स परिवार से बहुत जुड़ गया हूं।'

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे एशेज टेस्ट में इंग्लैंड को आठ विकेट से हराया

-सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल की

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने गुलाबी गेंद से खेले गये एशेज सीरीज के दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में इंग्लैंड को आठ विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पांच मैचों की इस सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच में मेजबान ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए केवल 65 रनों का लक्ष्य मिला था जो उसने आसानी से दो 2 विकेट खो कर हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया की ओर से ट्रैविस हेड ने तेज 22 रन बनाए, जबकि स्टीव स्मिथ ने 9 गेंदों में 23 रन बना दिये। स्मिथ ने अपनी पारी में दो चौके और दो छक्के जमाए। जेक वेदराल्ड 17 रन बनाकर पर नाबाद लौटे। इस प्रकार ऑस्ट्रेलिया ने दो विकेट पर 69 रन आसानी से मैच जीत लिया

इस मैच में इंग्लैंड ने मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था और 334 रन का स्कोर बनाया था। वहीं मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने 511 रन बनाकर पहली पारी में 177 रन की बढ़त बना ली और दूसरी पारी में इंग्लैंड को 241 रन पर समेट था। ऐसे में मैच के चौथे दिन ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 65 रन का आसान लक्ष्य मिला जिसे ऑस्ट्रेलिया ने दो विकेट खोकर हासिल कर लिया इस मैच में तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क और माइकल नेसर ने इंग्लैंड की बल्लेबाजी पूरी तरह तहस-नहस कर दी। स्टार्क ने मैच में कुल 8 विकेट झटके, जबकि नेसर ने 6 बड़े लेकर इंग्लैंड को दोनों पारियों में संभलने का अवसर नहीं दिया। इसी कारण जो रुट के यहां लगाये पहले शतक के बाद भी मेहमान टीम संभल नहीं पायी।

इंग्लैंड की पहली पारी में रूट ने 138 रन बनाये। उनकी इस पारी से इंग्लैंड टीम सम्मानजनक स्कोर तक पहुंच पायी पर अन्य बल्लेबाजों के असफल होने से टीम को नुकसान हुआ। स्टार्क ने 6 विकेट लेकर इंग्लैंड को 334 रन पर रोक दिया और मैच पर ऑस्ट्रेलिया की पकड़ मजबूत कर दी।

वहीं ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों ने पहली पारी में विरोधी गेंदबाजों पर दबाव बनाये रखा और 511 रनों का बड़ा स्कोर बनाया। जेक वेदराल्ड ने 72, लाबुशेन ने 65, स्टीव स्मिथ ने 61 और एलेक्स कैरी ने 63 रन की शानदार पारियां खेलीं। इन सबके अलावा मिचेल स्टार्क ने भी 77 रन बनाकर इंग्लैंड पर दबाव बना दिया। इंग्लैंड की ओर से केवल ब्राइडन कार्स ही 4 विकेट ले पाये। इंग्लैंड की टीम दूसरी पारी में भी बल्लेबाजी में विफल रही और । केवल 241 रन पर ही बना पायी। कप्तान बेन स्टोक्स ही 50 और विल जैक्स ही 41 रन बना पाये । वहीं अन्य सभी बल्लेबाज विफल रहे।

शुभमन गिल फिट, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 में खेलने के लिए तैयार

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 श्रृंखला से पहले बड़ी राहत मिली है। टीम के उपकप्तान शुभमन गिल को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) की खेल विज्ञान टीम ने पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में खेलने की मंजूरी दे दी है। गिल कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट मैच के दौरान चोटिल हो गए थे, जहां उनकी गर्दन में अचानक तेज अकड़न आ गई थी। चोट के बाद उन्हें दो दिनों तक अस्पताल में भर्ती रहना पड़ा और उपचार के दौरान इंजेक्शन भी दिया गया। इसी कारण वह मौजूदा वनडे सीरीज में हिस्सा नहीं ले पाए। गिल को टी20 टीम में फिटनेस के आधार पर चुना गया था और इसके लिए उन्हें लंबी रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया से गुजरना पड़ा। उन्होंने सीओई में निर्धारित सभी रिकवरी प्रोटोकॉल पूरे किए, जिसमें स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, फिजियोथैरेपी, फंक्शनल फिटनेस टेस्ट और प्रदर्शन मूल्यांकन शामिल थे। इन सभी चरणों में सफल होने के बाद विशेषज्ञों ने उन्हें खेल में वापसी (आरटीपी) के लिए पूरी तरह उपयुक्त पाया। सीओई की ओर से टीम प्रबंधन को भेजे पत्र में कहा गया है कि शुभमन गिल ने रिहैबिलिटेशन सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है और वह खेल के सभी प्रारूपों में खेलने के लिए आवश्यक मानदंडों को पूरा करते हैं।

अब 9 दिसंबर से टी20 सीरीज में आमने-सामने होंगे भारत और दक्षिण अफ्रीका

मुम्बई । भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच अब 9 दिसंबर से पांच मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी। दोने के बीच अब तक टेस्ट और एकदिवसीय सीरीज सीरीज हुई है। इसमें दक्षिण अफ्रीका ने टेस्ट जबकि भारतीय टीम ने एकदिवसीय सीरीज जीती है। ऐसे में अब दोनो ही टीमों के बीच टी20 सीरीज में रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेगा। भारतीय टीम टी20 सीरीज में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में उतरेगी। पांच मैचों की टी20 सीरीज का पहला मुकाबला 9 दिसंबर को कटक के बाराबती स्टेडियम में जबकि दूसरा मुकाबला 11 दिसंबर को न्यू चंडीगढ़ में खेला जाएगा। तीसरा मैच 14 दिसंबर को धर्मशाला में खेला जाएगा। चौथा मुकाबला 17 दिसंबर को लखनऊ जबकि अंतिम मुकाबला 19 दिसंबर को अहमदाबाद में होगा। आंकड़ों की बात करें तो दोनो ही टीमों के बीच अब तक 31 मुकाबले खेले गए हैं। इनमें से 18 मैचों में भारतीय टीम जबकि 12 मैचों में दक्षिण अफ्रीका जीती है। वहीं एक मुकाबला बराबरी पर रहा है।

सचिन के 100 शतकों के रिकार्ड की बराबरी कर सकते हैं विराट : गावस्कर

मुम्बई । महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने कहा है कि आने वाले समय में विराट कोहली सचिन तेंदुलकर के शतकों के शतक वाले विश्व रिकॉर्ड की बराबरी कर सकते हैं। गावस्कर के अनुसार विराट अपनी जबरदस्त फिटनेस के कारण 2027 विश्वपक के बाद भी खेल सकते हैं। विराट इस समय केवल एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट ही खेल रहे हैं। हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 3 मैचों की एकदिवसीय सीरीज में विराट ने दो शतक और एक अर्धशतक लगाया था। विराट के अभी अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में 84 शतक हैं। वे पहले से ही एक प्रारुप में सबसे ज्यादा शतक लगाने बल्लेबाज हैं। गावस्कर ने कहा, अगर वह तीन साल और खेलते हैं तो उसे शतकों का शतक लगाने 16 शतक और चाहिए। कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवीसय सीरीज में 302 रन बनाए। गावस्कर ने मुकाबले के बाद कहा, जिस तरह से वह बल्लेबाजी कर रहा है उससे उसके लिए कुछ भी संभव है, उसने तीन मैचों की सीरीज में दो शतक बनाए हैं। अब अगर वह न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में दो और शतक बनाता है, तो वह 86 तक पहुंच जाएगा। इसलिए उसके 100 तक पहुंचने की काफी संभावनाएं हैं। जिस तरह से वह बल्लेबाजी कर रहा है, उससे लग रहा है कि वह काफी आराम से खेल रहा है। जिस तरह से अंतिम एकदिवसीय में बल्लेबाजी की उससे उसके अच्छे फार्म का अंदाजा होता है। हैं। भारतीय टीम को विश्वकप 2027 तक करीब 35 एकदिवीसय मैच खेलने हैं। ऐसे में उसके लिए 16 शतक लगाना ज्यादा कठिन नहीं है। वहीं अगर वह वर्ल्ड कप के बाद भी खेलता है तो आसानी से 100 शतकों तक पहुंच जाएगा। ये तो ये है कि वह 90 से ज्यादा शतक तक पहुंच जाएगा।

मुलर पर भारी पड़े मेस्सी, इंटर मियामी को पहला एमएलएस कप खिताब दिलाया

फोर्ट लॉडरडेल (एजेंसी)। थॉमस मुलर ने लियोनेल मेस्सी के साथ लंबे समय से चली आ रही अपनी प्रतिद्वंद्विता में अक्सर बाजी मारी है लेकिन मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) कप फुटबॉल प्रतियोगिता के शनिवार को खेले गए फाइनल में अर्जेंटीना की स्टार की तूती बोली। मुलर और मेस्सी के बीच हुए 10 मुकाबलों में से जर्मनी के स्टार ने सात में जीत हासिल की है। मुलर की मौजूदगी में जर्मन टीम ने विश्व कप में दो बार मेस्सी और अर्जेंटीना को बाहर किया है। लेकिन शनिवार को अर्जेन्टीना के सुपर स्टार ने इंटर मियामी को एमएलएस कप फाइनल में मुलर की वैंकूवर व्हाइटकैप्स पर 3-1 से जीत दिलाई। इस तरह से मेस्सी ने अपने करियर की 47वीं ट्रॉफी के साथ अपने तीसरे मेजर लीग सॉकर सत्र का समापन किया। मेस्सी ने मैच के बाद कहा, ''तीन साल पहले मैंने एमएलएस में आने का फैसला किया और आज हम एमएलएस चैंपियन हैं। पिछले साल हम लीग में जल्दी बाहर हो गए थे लेकिन इस साल एमएलएस जीतना हमारा मुख्य लक्ष्य था।'' मेस्सी ने 72वें मिनट में रोड्रिगो डी पॉल को गेंद देकर गोल करने में मदद की। इसके बाद उन्होंने स्टॉपेज टाइम में एक और गोल करने में योगदान देकर इंटर मियामी को फ्रैंचाइजी इतिहास में पहली बार चैंपियनशिप दिलाई। मेसी और मुलर दोनों ही विश्व कप और चैंपियंस लीग विजेता हैं। दोनों क्लब विश्व कप विजेता भी हैं।

शक्ति और संकल्प का खेल : वेटलिफ्टिंग में भारत की बढ़ती ताकत

नई दिल्ली। वेटलिफ्टिंग सिर्फ वजन उठाने का खेल नहीं, बल्कि यह ताकत, संतुलन और मानसिक दृढ़ता की गहरी परीक्षा है। इसमें मुख्य रूप से स्नैच और क्लीन एंड जर्क दो तकनीकें शामिल होती हैं, जिनके लिए मजबूत मांसपेशियां, लचीला शरीर और आत्मविश्वास जरूरी होता है। आज यह खेल ओलंपिक का एक प्रतिष्ठित हिस्सा है, लेकिन इसकी शुरुआत प्राचीन काल में ताकत मापने की परंपरा से हुई थी। पुराने समय में योद्धा और सैनिक अपनी क्षमता साबित करने के लिए भारी पत्थरों और वस्तुओं को उठाते थे। धीरे-धीरे यह प्रतियोगिता का रूप लेकर ग्रीस, चीन, मिस्र और मेसोपोटामिया सहित कई देशों में लोकप्रिय हो गई। 19वीं शताब्दी के अंत तक यह एक अंतरराष्ट्रीय खेल के रूप में स्थापित हो चुका था। 1896 के एथेंस ओलंपिक में पहली बार वेटलिफ्टिंग को शामिल किया गया। हालांकि कुछ वर्षों 1900, 1908 और 1912 के दौरान इसे जगह नहीं मिली, लेकिन बाकी सभी ओलंपिक में यह लगातार खेला जाता रहा है। भारत ने इस खेल में आधिकारिक रूप से 1936 बर्लिन ओलंपिक में कदम रखा, जब एक साल पहले 1935 में भारतीय भारोत्तोलन महासंघ की स्थापना हुई थी। इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने इस खेल में अपनी पहचान बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाए। महिलाओं ने वेटलिफ्टिंग में 2000 सिडनी ओलंपिक के बाद हिस्सा लेना शुरू किया, और इसी ओलंपिक में भारत की कर्णम मल्लेश्वरी ने 54 किलोग्राम वर्ग में ब्रॉन्ज जीतकर इतिहास रच दिया। उनके बाद 2020 टोक्यो ओलंपिक में मीराबाई चानू ने 49 किलोग्राम भार वर्ग में सिल्वर मेडल जीतकर देश का गौरव बढ़ाया और वेटलिफ्टिंग के प्रति नई प्रेरणा जगाई।

महिला क्रिकेट स्टार स्मृति मंधाना की शादी रद्द, सोशल मीडिया पर दी अहम जानकारी

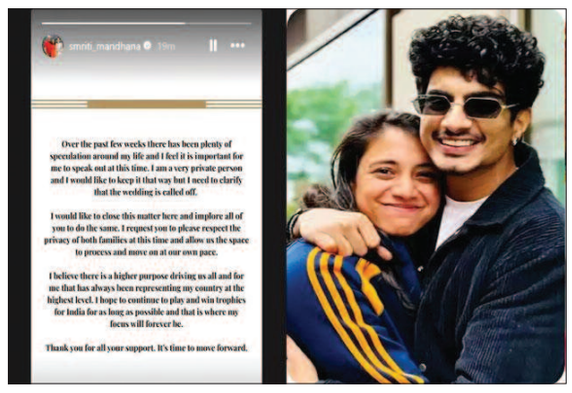

नई दिल्ली । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने अपनी निजी जिंदगी को लेकर चल रही अफवाहों पर विराम लगाते हुए पुष्टि की है कि संगीतकार पलाश मुछाल के साथ उनकी शादी रद्द कर दी गई है। उन्होंने प्रशंसकों और मीडिया से आग्रह किया कि इस संवेदनशील समय में दोनों परिवारों की निजता का सम्मान किया जाए। पिछले कुछ सप्ताह से सोशल मीडिया पर उनकी शादी को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। इसी पर स्पष्टता लाते हुए मंधाना ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'मैं स्पष्ट करना चाहती हूं कि शादी रद्द कर दी गई है। कृपया इस मामले को यहीं समाप्त करें और हमें आगे बढ़ने के लिए जगह दें।' 23 नवंबर को होने वाली शादी उनके पिता श्रीनिवास की अचानक तबीयत बिगड़ने और दिल से जुड़ी बीमारी के कारण अस्पताल में भर्ती होने की वजह से स्थगित कर दी गई थी। अब मंधाना ने बताया कि परिस्थितियों को देखते हुए शादी को रद्द करने का फैसला लिया गया है। उन्होंने कहा कि वह एक बेहद निजी इंसान हैं, लेकिन लगातार चल रही चर्चाओं और असत्यापित रिपोर्टों के कारण उन्हें खुलकर अपनी बात रखनी पड़ी। साथ ही, उन्होंने यह भी दोहराया कि उनका पूरा ध्यान अब भारत के लिए क्रिकेट खेलने और आगामी अंतरराष्ट्रीय सत्र की तैयारी पर है। गायिका पलक मुछाल ने कुछ दिन पहले इस मुद्दे पर बात की थी और दोनों परिवारों के लिए यह समय बेहद चुनौतीपूर्ण बताया था। सोशल मीडिया पर बढ़ती चर्चाओं की वजह से ही मंधाना को अटकलों का अंत करने के लिए आगे आना पड़ा। करीब एक दशक से भारतीय महिला क्रिकेट टीम की अहम सदस्य रहीं 28 वर्षीय स्मृति मंधाना ने अंत में लिखा, 'आप सभी के समर्थन के लिए धन्यवाद। अब आगे बढ़ने का समय है।'

किसी तरह का दबाव महसूस नहीं कर रहा हूं: विराट कोहली

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। भारत के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने शनिवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 45 गेंद में नाबाद 65 रन की पारी खेलने के बाद कहा कि वह बिना किसी दबाव के खेल रहे हैं। कोहली तीन मैचों की इस श्रृंखला में 302 रन के साथ सर्वोच्च स्कोरर रहे। पहले दो वनडे में शतक जड़ने के बाद तीसरे मैच में भी अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित करने के बाद उन्हें श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

भारत ने शनिवार को दक्षिण अफ्रीका को नौ विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला को 2-1 से जीता। कोहली ने मैच के बाद पुरस्कार समारोह में कहा, ''ईमानदारी से कहूं तो इस श्रृंखला में मैं जिस तरह से खेला, वह मेरे लिए सबसे संतोषजनक बात है। मैं वास्तव में किसी तरह का दबाव महसूस नहीं कर रहा हूं। मैंने पिछले दो-तीन साल से इस तरह नहीं खेला है।''

उन्होंने कहा, '' मुझे पता है कि जब मैं इस तरह से बल्लेबाजी करता हूं तो यह टीम की बहुत मदद करता है। इससे मुझे आत्मविश्वास मिलता है कि मैं किसी भी स्थिति को संभालकर मैच का रूख टीम की ओर मोड़ सकता हूं।'' कोहली ने माना कि एक बल्लेबाज के रूप में अनुभव चाहे कितना भी हो लेकिन ऐसे हालात आते हैं जब मन में संदेह होने लगता है।

उन्होंने कहा, '' जब आप इतने लंबे समय तक खेलते हैं (15-16 साल) तो आप कई बार खुद पर संदेह करने लगते हैं। खासकर एक बल्लेबाज के रूप में जब एक गलती आपको आउट करा सकती है। यह एक खिलाड़ी के रूप में बेहतर होने की पूरी यात्रा है। यह आपको एक व्यक्ति के रूप में सुधारता है और यह स्वभाव को भी सुधारता है।''

उन्होंने कहा, ''मुझे खुशी है कि मैं अब भी टीम के लिए योगदान दे पा रहा हूं। जब मैं इस तरह से खुलकर खेलता हूं तो मुझे पता है कि मैं छक्के मार सकता हूं। ऐसी परिस्थिति में आप हमेशा आत्मविश्वास से भरे रहते हैं।'' कोहली ने कहा कि तीन पारियों में से रांची में बनाया गया शतक उनके लिए सबसे खास रहा।

उन्होंने कहा, ''रांची में पहला (शतक) खास रहा क्योंकि मैंने ऑस्ट्रेलिया के बाद कोई मैच नहीं खेला था। रांची मेरे लिए बहुत खास है और मैं बहुत आभारी हूं कि ये तीनों मैच ऐसे रहे।'' भारतीय कप्तान लोकेश राहुल ने कहा कि पहले दो मैचों में ओस के कारण गीली आउटफील्ड में गेंदबाजी करने के बाद गेंदबाजों को ब्रेक देना महत्वपूर्ण था।

राहुल ने दक्षिण अफ्रीका को 270 पर आउट करने पर कहा, ''पहले दो मैचों में हमें कठिन परिस्थितियां मिलीं। ऐसे में गीली आउटफील्ड में गेंदबाजों के लिए ब्रेक मिलना अच्छा था। यह पिच बल्लेबाजी के लिए काफी अच्छी थी लेकिन हम एक साथ कई विकेट चटकाने में सफल रहे।''

भारत की जीत प्रसिद्ध कृष्णा (66 रन पर चार विकेट) और कुलदीप यादव (41 रन पर चार विकेट) का योगदान भी अहम रहा। राहुल ने अपनी गेंदबाजी इकाई की तारीफ करते हुए कहा, ''हम बीच के ओवरों में दबाव बना पाए। प्रसिद्ध ने एक स्पैल में तीन विकेट लिए जो वास्तव में महत्वपूर्ण थे और फिर कुलदीप ने आकर एक ओवर में दो विकेट ले गए। वनडे क्रिकेट में आप इसी तरह टीमों पर दबाव बनाने की कोशिश करते हैं।''

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा ने कहा कि उनकी टीम भारत को

बड़ा लक्ष्य देने में नाकाम रही। उन्होंने कहा, ''आज हम इसे और भी रोमांचक बनाना चाहते थे। बल्लेबाजी के लिहाज से हमने ज्यादा रन नहीं बनाए। दूधिया रोशनी में खेल आसान हो जाता है। शायद हमें समझदारी से काम लेना चाहिए था क्योंकि हमने जल्दबाजी में विकेट गंवा दिये थे।''

उन्होंने भारतीय टीम की तारीफ करते हुए कहा, ''भारतीय टीम ने अपनी क्षमता दिखाई। उन्हें बधाई। हम और भी ज्यादा समझदारी से खेल सकते थे। आप अगर पहले दो वनडे देखें तो हमने ऐसा किया। आज शायद हालात अलग थे। आप 50 ओवर के मैच में ऑल आउट नहीं होना चाहते।''

उन्होंने कहा, '' हमारे बल्लेबाजों को अच्छी शुरुआत मिली लेकिन वे इसे भुनाने में नाकाम रहे। क्विंटन (डिकॉक) ने शतक बनाया मैं भी अहम मौके पर आउट हो गया। भारत के पास अच्छे स्पिनर है और उन पर दबाव बनाना कभी आसान नहीं होता है।

ग्रोवेल विवाद पर दक्षिण अफ्रीका कोच कॉनराड की सफाई, गलत शब्द के इस्तेमाल पर मांगी माफी

विशाखापत्तनम । दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कोच शुक्री कॉनराड ने भारत के खिलाफ मिली एकतरफा हार और तीन मैचों की वनडे सीरीज 1-2 से गंवाने के बाद अपने विवादित 'grovel' बयान पर सफाई दी है। कॉनराड ने माना कि यह शब्द उनकी टीम की ऐतिहासिक टेस्ट जीत के चमक को फीका कर गया, जबकि उनका इरादा किसी तरह की अहमियत कम करने या अपमान का नहीं था।

बॉर्डर 2 की शूटिंग खत्म होने पर इमोशनल हुए अहान शेट्टी

सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी अभिनीत बॉर्डर 2 अगले साल आने वाली बॉलीवुड की बड़ी फिल्मों में से एक है। हाल ही में इस फिल्म से पहले वरुण धवन और फिर दिलजीत दोसांझ का लुक सामने आया था। फिल्म की शूटिंग लगातार जारी है, लेकिन कुछ एक्टर्स ने अपना शेड्यूल पूरा कर लिया है। इस फेहरिस्त में अब अहान शेट्टी का नाम भी शामिल हो गया है।

अहान ने पूरी की अपने हिस्से की शूटिंग

अभिनेता अहान शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म बॉर्डर 2 के सेट से कई शानदार तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों के साथ अहान ने एक इमोशनल नोट भी लिखा, बॉर्डर 2 की शूटिंग खत्म हो गई। आज सेट से निकलते वक्त दिल बहुत भारी है। इस फिल्म ने मुझे बहुत चुनौती दी और ऐसे यादगार पल दिए जो मैं कभी नहीं भूलूंगा। मैं अपनी फौज, शानदार कलाकारों और पूरी टीम का दिल से शुक्रिया अदा करता हूं– ये टीम अब मेरा परिवार बन गई है।

बॉर्डर 2 को लेकर अहान की राय

अहान शेट्टी ने आगे लिखा, ये फिल्म सिर्फ एक फिल्म नहीं है। इसमें असली बहादुरी, सच्ची देशभक्ति और सच्ची कहानियां हैं। शुक्रिया बॉर्डर 2– ये यादें हमेशा मेरे साथ रहेंगी। जय हिंद।

फिल्म बॉर्डर 2 के बारे में

बॉर्डर 2 को अनुराग सिंह निर्देशित कर रहे हैं। इस फिल्म में सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ, और अहान शेट्टी के अलावा मेधा राणा, मोना सिंह, और सोनम बाजवा भी हैं। इसे भूषण कुमार, जेपी दत्ता, और निधि दत्ता ने मिलकर बनाया है। यह फिल्म 1997 की मशहूर फिल्म बॉर्डर का सीक्वल है। पहली फिल्म बॉर्डर 1971 के लोंगेवाला युद्ध पर थी, जबकि बॉर्डर 2 1999 के कारगिल युद्ध की सच्ची घटनाओं पर आधारित है।

विजय देवरकोंडा से शादी की चर्चाओं पर रश्मिका मंदाना ने दी प्रतिक्रिया

पिछले कुछ वक्त से रश्मिका मंदाना काम से ज्यादा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चाओं में बनी हैं। ये चर्चाएं रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा की शादी को लेकर हो रही हैं। लगातार ऐसी खबरें सामने आ रही हैं कि रश्मिका और विजय अगले साल यानी 2026 की शुरुआत में शादी के बंधन में बंध जाएंगे। हालांकि, रश्मिका या विजय ने अब तक इन खबरों की पुष्टि नहीं की है। अब रश्मिका ने अपनी शादी की खबरों पर प्रतिक्रिया दी है। हालांकि, एक्ट्रेस ने पूरी तरह से कुछ भी स्पष्ट नहीं किया है। रश्मिका ने बताया कब करेंगी कंफर्म बातचीत के दौरान रश्मिका ने अपनी आगामी फिल्मों और वर्कफ्रंट के साथ-साथ अपनी शादी की चर्चाओं पर रिएक्ट किया। इस दौरान जब रश्मिका से पूछा गया कि क्या वह विजय से अपनी कथित शादी की पुष्टि या खंडन करना चाहती हैं? तो इस पर एक्ट्रेस ने कहा कि मैं शादी की पुष्टि या खंडन नहीं करना चाहती। मैं बस इतना कहूंगी कि जब इस बारे में बात करने का समय आएगा, तब हम करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि वह अपने फैंस या मीडिया के साथ कुछ भी साझा करने से पहले थोड़ा समय लेना चाहती हैं। रश्मिका की इस प्रतिक्रिया के बाद दोनों की शादी को लेकर अटकलें और भी तेज हो गई हैं।

अक्सर साथ नजर आते हैं विजय-रश्मिका

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा ने साथ में 'गीता गोविंदम' और 'डियर कॉमरेड' जैसी फिल्मों में काम किया है। इसी दौरान दोनों एक-दूसरे के करीब आ गए। इसके बाद से ही दोनों के बीच अफेयर की चर्चाएं आती रहती हैं। दोनों अक्सर कई मौकों पर साथ भी देखा जाता है। दोनों साथ में ही छुट्टियां मनाने भी जाते हैं। हालांकि, इसके बावजूद दोनों ने कभी भी अपने रिश्ते को स्वीकार नहीं किया है।

फरवरी में शादी करने की हैं चर्चाएं

कई मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया जा रहा है कि रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा फरवरी में शादी के बंधन में बंध सकते हैं। दोनों की शादी उदयपुर में होगी। रिपोर्ट्स में यहां तक कहा गया कि रश्मिका शादी की तैयारियों के लिए उदयपुर में इंतजाम तक देखने जा चुकी हैं। रश्मिका और विजय की सगाई की खबरें अक्तूबर में काफी चर्चा में रही थीं। हालांकि, दोनों में से किसी ने भी इन्हें स्वीकार या खारिज नहीं किया और न ही कोई फोटोज सामने आई। लेकिन बाद में विजय की टीम ने पुष्टि की कि दोनों ने सगाई कर ली है।

कलाकार को जीवन भर के संघर्ष के बाद सिर्फ मरने के बाद ही सम्मान मिलता है

साल 2024 में दिलजीत दोसांझ की फिल्म चमकीला आई थी, जोकि पंजाबी लोकगायक अमर सिंह चमकीला की जिंदगी पर आधारित थी। फिल्म को कई कैटगिरी में नॉमिननेट किया गया, लेकिन फिल्म एक भी अवॉर्ड अपने नाम नहीं कर पाई। अब दिलजीत ने नेटफ्लिक्स के साथ मिलकर एक वीडियो रिलीज किया है, जिसमें उन्होंने फिल्म और एक आर्टिस्ट के संघर्ष के बारे में बात की है। उनका कहना है कि जब तक कलाकार जिंदा होता है, तब तक उसे परेशान किया जाता है, लेकिन मरने के बाद उन्हें सम्मान मिलता है। दिलजीत दोसांझ ने अपने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर किया है और बताया कि एक कलाकार को सफल बनने के लिए क्या कुछ झेलना पड़ता है। वे वीडियो में कहते हैं, एक कलाकार को अपनी जिंदगी में हर तरह की परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है और जब तक वो मर नहीं जाता, तब तक लोग उसे महान नहीं कहते हैं और अपना प्यार भी नहीं देते। जब वे मर जाते हैं या चमकीला की तरह मार दिए जाते हैं, तभी उन कलाकारों को महान कहा जाता है या लोगों का प्यार मिलता है। उसके बाद ही उनके काम की सराहना की जाती है क्योंकि एक तो वो जिंदा नहीं है, दूसरा आपका कॉम्पीटिशन नहीं है, और तीसरा मरे हुए इंसान को सम्मान देना इंसानों का स्वभाव है। उन्होंने आगे कहा कि ये दुनिया एक फिल्मी सेट की तरह है और हर कोई अपना किरदार निभा रहा है। जब तक कलाकार जिंदा है, उसे कोई नहीं पूछता, उसे मारने की धमकी दी जाती है, परेशान किया जाता है क्योंकि जो वह कर रहे हैं, वो समाज को बर्दाश्त नहीं हो पाता, और मरने के बाद कहते हैं, वाह, क्या गाना था। इसके अलावा, उन्होंने अपनी फिल्म चमकीला को लेकर भी खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि दिलजीत यहां वेलिडेशन के लिए नहीं आया है, बल्कि चमकीला के लिए आया है। अपने फिल्म से जुड़े अनुभवों पर सिंगर ने कहा कि फिल्म में एक शॉट है। यह शॉट मैंने इसलिए किया क्योंकि कोई दूसरा कलाकार इसे समय पर नहीं कर सकता था। मुझे शॉट देखकर कहा कि चमकीला मुझे कहीं से देख रहा है और वो सीन देखकर मैं भावुक हो उठा। मेरे लिए ये करना आसान नहीं था।

बॉलीवुड में काम न मिलने पर शहनाज गिल ने उठाया यह कदम

मुझे शो पीस की तरह इस्तेमाल किया गया

एक्ट्रेस और सिंगर शहनाज गिल बिग बॉस 19 में आने के बाद काफी मशहूर हुईं। पूरे देश मे मशहूर होने के बाद शहनाज गिल फिल्म किसी का भाई किसी की जान और थैंक यू फॉर कमिंग में नजर आईं। हालांकि उन्हें उतनी कामयाबी नहीं मिली जितनी उम्मीद की जा रही थी। ऐसे में उन्होंने पंजाबी फिल्म इक कुड़ी की निर्माता बनने का सोचा। अब उन्होंने हिंदी और पंजाबी सिनेमा के बारे में कई बातें कही हैं।

शहनाज ने खुद पर लगाया पैसा

शहनाज गिल हाल ही में बिग बॉस 19 में नजर आईं। उन्होंने सलमान खान से कहा मेरे ऊपर कोई पैसा नहीं लगा रहा, तो मैंने खुद पर लगा दिया। अब उन्होंने फरीदून शहरयार से बातचीत में बताया है कि उन्होंने अपने प्रोजेक्ट में पैसा क्यों लगाया है? बातचीत में शहनाज गिल ने कहा मुझे अच्छी स्टोरीज नहीं मिल रही हैं। मुझे फिल्मों में शो पीस की तरह इस्तेमाल किया गया। मुझे एक ही तरह की कहानियां मिल रही थीं, जिनमें कुछ भी नया नहीं था और कोई अच्छा संदेश भी नहीं था। ऐसे में मैंने सोचा कि खुद पर पैसा लगाना सही रहेगा।

शहनाज ने की पंजाबी सिनेमा की तारीफ

शहनाज गिल ने आगे बताया कि पिछले पांच वर्षों से उन्हें पंजाबी फिल्मों के ऑफर आ रहे थे। हालांकि वह अच्छी फिल्म के इंतजार में थीं। कुछ ऐसा जिससे पंजाबी फिल्म में उनकी वापसी अच्छी तरह से हो सके। पंजाबी फिल्मों में काम करने पर शहनाज ने कहा कई लोग मुझसे कहते हैं कि मैंने पंजाबी फिल्मों में वक्त बर्बाद

शहनाज गिल का काम

शहनाज गिल को आखिरी बार पंजाबी फिल्म इक कुड़ी में देखा गया। वह इस फिल्म की निर्माता भी हैं। इसके निर्देशक अमरजीत सिंह सरोन हैं। बॉलीवुड में वह आखिरी बार राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी की फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में नजर आईं। इसमें उन्होंने सजना वे सजना गाने पर शानदार डांस किया।

तमिल, तेलुगु और हिंदी फिल्म इंडस्ट्री ने मुझे बहुत कुछ सिखाया है

अभिनेत्री राशी खन्ना इन दिनों फिल्म '120 बहादुर' में नजर आ रही हैं। इसी दौरान उन्होंने खास बातचीत में अपने करियर और निजी जिंदगी से जुड़ी कई बातों पर खुलकर चर्चा की।

क्या आपको कभी लगा कि इंडस्ट्री में आपको टाइपकास्ट किया जा रहा है?

जब मैं नई-नई आई थी तो मुझे लगता था कि शायद मुझे कमर्शियल फिल्मों में टाइपकास्ट कर दिया जाएगा। मुझे लगा कि मुझे सिर्फ ऐसे ही रोल मिलेंगे। कमर्शियल फिल्में मुझे पसंद हैं, लेकिन मैं स्ट्रॉन्ग कैरेक्टर्स करना चाहती थी। फिर थोली प्रेमा (2018) रिलीज हुई और उसने मेरी ट्रैजेक्टरी बदल दी। उसके बाद फर्जी आई और लोगों ने पहली बार मुझे डी-ग्लैम और अलग रोल में देखा। हिंदी में मुझे बेहतर रोल मिलने लगे और अब तक मुझे हिंदी इंडस्ट्री में टाइपकास्ट नहीं किया गया है। अगर कभी ऐसा हुआ तो मैं खुद कहूंगी कि मैं ऑडिशन देने के लिए तैयार हूं। मैं कोशिश करूंगी कि खुद स्टीरियोटाइप को तोड़ सकूं।

तमिल, तेलुगु और हिंदी इंडस्ट्री में क्या खास या अलग लगा?

तीनों इंडस्ट्रीज में पैशन एक जैसा है। सब अच्छी फिल्में बनाना चाहते हैं। फर्क सिर्फ भाषा और कल्चर का है। तमिल इंडस्ट्री में बहुत डिसिप्लिन है। तेलुगु इंडस्ट्री में मुझे सबसे ज्यादा सपोर्ट मिला क्योंकि वहां ऑडियंस आपके ऊपर विश्वास करती है। हिंदी इंडस्ट्री में ओपननेस है और एक्सपेरिमेंट की आजादी है। तीनों इंडस्ट्रीज ने मुझे बहुत कुछ सिखाया है और मुझे ग्राउंडेड रखा है।

कमर्शियल और कंटेंट-ड्रिवन सिनेमा का बैलेंस कैसे रखती हैं?

बैलेंस उतना मुश्किल नहीं है जितना लोग सोचते हैं। इसके लिए आपको खुद ओपन रहना पड़ता है। मैं मेकर्स को खुद बोलती हूँ कि मुझे ऑडिशन करने दें, ताकि मुझे कंटेंट वाली फिल्में भी मिलें। लेकिन मैं कमर्शियल सिनेमा की पकड़ भी नहीं छोड़ती क्योंकि मुझे दोनों पसंद हैं। ये बैलेंस आपको खुद ही बनाए रखना पड़ता है।

क्या कोई ऐसा ड्रीम रोल है जिसे निभाने की आपकी बहुत इच्छा है, लेकिन अभी तक मौका नहीं मिला?

मुझे लगता है कि मैंने अभी शुरुआत ही की है। मेरे कई ड्रीम रोल्स हैं। मुझे एक्शन फिल्म करनी है, पीरियड फिल्म करनी है और अगर दोनों साथ मिल जाएं तो बहुत अच्छा होगा। मुझे हिंदी में रोमैंटिक कॉमेडी और साइकोलॉजिकल थ्रिलर भी करना है।

आपकी पढ़ाई आपकी एक्टिंग या स्क्रिप्ट एनालिसिस के तरीकों को प्रभावित करती है?

मेरी पढ़ाई ने मेरी एक्टिंग में बहुत मदद की है। मैं हर किरदार को केस स्टडी की तरह पढ़ती हूं। मैं उसका पास्ट, फियर्स और कोपिंग मेकैनिज्म खोजती हूं। मैं सिर्फ ये नहीं देखती कि किरदार क्या बोल रहा है। मैं समझने की कोशिश करती हूं कि वो ऐसा क्यों बोल रहा है। इंग्लिश ऑनर्स ने मुझे सही सवाल पूछना सिखाया और यही ट्रेनिंग फिल्मों में काम आती है। मैं अपने किरदारों को कभी जज नहीं करती। मैं उन्हें समझती हूं।

आने वाले कुछ वर्षों में आप अपने करियर को किस दिशा में देखती हैं?

पहले मैं अपने करियर के बारे में बहुत नहीं सोचती थी। मैं बस मेहनत करती थी। लेकिन अब मैं कॉन्शस डिसीजन लेती हूं। आने वाले समय में मैं अपने काम में मेच्योरिटी और डेप्थ लाना चाहती हूं। मैं ऐसे किरदार करना चाहती हूँ जो लेयर्ड, फ्लॉड और कॉम्प्लेक्स हों। मेरा लक्ष्य है कि मेरा कलाकार हमेशा ज़िंदा रहे।

फर्जी 2' में क्या नया एक्सप्लोर कर रही हैं?

अभी तक मुझे स्क्रिप्ट हाथ में नहीं मिली है। इसलिए सच बताऊं तो मुझे नहीं पता कि मेरा किरदार किस दिशा में जा रहा है। जैसे ही स्क्रिप्ट मिलेगी, मैं डायरेक्टर्स के साथ बैठकर समझूंगी कि आगे कैसे बढ़ना है।

तलाखों में एक' में बंगाली किरदार की तैयारी कैसे की?

इस फिल्म के डायरेक्टर बंगाली हैं। फिल्म पूरी बंगाली में नहीं है, लेकिन कुछ लाइन्स बंगाली में हैं। उन्होंने मुझे समझाया कि बंगाली लड़कियाँ कैसी होती हैं और उनकी सोच कितनी इंडिपेंडेंट होती है। उस इंडिपेंडेंस को मेरे किरदार में दिखाया गया है। उनके पहनावे से लेकर थॉट प्रोसेस तक सब पर काम किया गया। मुझे लगता है कि यह फिल्म मेरे करियर में अहम साबित होगी।

'उस्ताद भगत सिंह' में पवन कल्याण के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

यह पहली फिल्म थी जिसे मैंने स्क्रिप्ट पढ़े बिना साइन किया। मेरा सपना था कि मैं पवन कल्याण जी के साथ काम करूं। पहले दिन जब वो आए तो उनकी प्रेज़ेंस बहुत पावरफुल थी। मुझे थोड़ा इंटरमिडेट महसूस हुआ, जो मेरे साथ कभी नहीं होता। लेकिन जब बातचीत शुरू हुई तो समझ आया कि वो बहुत हंबल हैं और लोगों के बारे में सोचते हैं। उन्हें रीडिंग का शौक है और हम किताबों पर भी चर्चा करते रहे। वो अपने स्टारडम को जिम्मेदारी की तरह लेते हैं। उनसे मिलना मेरे लिए एक खास अनुभव रहा।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।